वार्षिक रिपोर्ट

1967-68

संगीत नाटक अकादेमी नई दिल्ली

वार्षिक रिपोर्ट 1967-68

विषय-सूची

परिशिष्ट :

संगीत नाटक अकादेमी

वार्षिक रिपोर्ट
(1967-68)

पुण्य स्मृति में

1967-68 में मृत्यु ने संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्रों की अनेक विभूतियाँ हमसे छीन लीं। ये थे मराठी रंगमंच के प्रसिद्ध कलाकार बाल गंधर्व नारायण राव राजहंस, फिल्मी संगीत के ख्याति प्राप्त निर्देशक श्री रोशनलाल, अकादेमी के रत्न-सदस्य श्री डी० अन्नास्वामी भागवतार, हिन्दुस्तानी संगीतज्ञ श्री ओंकारनाथ ठाकुर, अकादेमी के रत्न-सदस्य श्री ई० कृष्ण अय्यर तथा शास्त्रीय-नृत्य भरत नाट्यम के सफल प्रशिक्षक विद्वान चोक्कलिंगम पिल्ले। बाल गंधर्व नारायण राव राजहंस को नाटक क्षेत्र में सेवाओं के लिए 1955 में, श्री ओंकारनाथ ठाकुर को हिन्दुस्तानी संगीत में 1963 में तथा विद्वान चोक्कलिंगम पिल्ले को भरत नाट्यम के सफल प्रशिक्षक के लिए 1965 में अकादेमी की ओर से पुरस्कृत किया गया था।

कला के इन अमर पुत्रों की दिवंगत आत्माओं को अकादेमी अपनी श्रद्धाँजलि अर्पित करती है।

अकादेमी का संगठनात्मक स्वरूप

1860 के समिति-पंजीयन-कानून के अधीन 11 सितम्बर, 1961 को संगीत नाटक अकादेमी का पंजीयन हुआ। अकादमी के उद्देश्यों तथा महासमिति, कार्य-

कारिणी समिति और वित्त-समिति के अधिकारों एवं कर्तव्यों का उल्लेख संगठन-विषयक ज्ञापन तथा संगीत नाटक अकादेमी की नियमावली में किया गया है।

अकादेमी की सर्वोच्च सत्ता महासमिति के हाथों में है। कार्यकारिणी समिति—जिसपर अकादेमी के प्रबंध का भार है— अकादेमी के क्रिया-कलापों का सामान्य निर्देशन, नियंत्रण और देख-रेख करती है। वित्त समिति का काम कार्यकारिणी समिति को वित्तीय मामलों में मदद देना है। वित्तीय सलाहकार इस समिति का पदेन अध्यक्ष होता है।

अकादेमी की महासमिति

महासमिति के सदस्यों की कार्यावधि सामान्यतया पांच वर्ष निर्धारित की गयी है। यदि किसी सदस्य के संबंध में कोई विशेष व्यवस्था कर दी जाये तो बात दूसरी है। कोई भी व्यक्ति इस समिति का दुबारा सदस्य चुना जा सकता है। जुलाई 1967 में अकादेमी की नयी महासमिति का गठन किया गया। 31 मार्च, 1968 को महासमिति के जो सदस्य थे उनके नामों की सूची परिशिष्ट 1 में दी गयी है।

कार्यकारिणी समिति

महासमिति की 4 जुलाई, 1967 की बैठक में अकादेमी की कार्यकारिणी समिति और वित्त समिति के सदस्यों का चुनाव किया गया। कार्यकारिणी के निम्नलिखित सदस्य हैं :—

श्रीमती इन्दिरा गांधी—अध्यक्ष
श्री के० पी० एस० मेनन—उपाध्यक्ष
श्री एम० एस० सुन्द्रा
श्री भागवत झा आज़ाद
डा० वी० एस० झा
डा० वी० के नारायण मेनन
श्री एस० एन० मजुमदार
डा० वी० राघवन

श्रीमती मृणालिनी साराभाई
श्री अशोक मित्र
श्री रामधारी सिंह 'दिनकर'
स्वामी प्रज्ञानानंद
श्री शंभु मित्र
श्री आद्य रंगाचार्य
श्री कोमल कोठारी

वित्त समिति

श्री एम० एस० सुन्द्रा
श्री जगदीश चन्द्र माथुर
श्री एस० एन० मजुमदार
डा० वी० के० नारायण मेनन

अकादेमी के पदाधिकारी

31 मार्च, 1968 को अकादेमी के जो पदाधिकारी थे उनके नाम इस प्रकार हैं :—

अध्यक्ष—श्रीमती इन्दिरा गांधी
उपाध्यक्ष—श्री के० पी० एस० मेनन
वित्तीय सलाहकार—श्री एम० एस सुन्द्रा
सचिव—डा० सुरेश अवस्थी

बैठकें

इस वर्ष महासमिति की बैठक दो बार हुई। पहली बैठक 4 जुलाई, 1967 को तथा दूसरी 8 दिसम्बर, 1967 को हुई। कार्यकारिणी समिति की चार बैठकें हुईं—4 जुलाई, 1967, 11 दिसम्बर, 1967, 22 नवम्बर और 18 दिसम्बर, 1967 को।

वित्त समिति की बैठक 9 अगस्त, 1967 एवं 23 अक्तूबर, 1967 को हुई।

1967 में रत्न-सदस्यता प्राप्त करने वाले लोगों के नामों की सूची

1. श्री आद्य रंगाचार्य
2. श्री ई० अल्काज़ी
3. बड़े गुलाम अली खां
4. गुरू पी० के० कुंजुकुरूप
5. श्री मूसिरी सुब्रमन्य अय्यर
6. श्रीमती रुकमिणी देवी अरून्डेल
7. श्री शंभु महाराज
8. श्री वेदान्तम सत्यनारायण शर्मा

1967 में अकादेमी पुरस्कार

निम्नलिखित कलाकारों को 1967 में अकादेमी पुरस्कार के लिए चुना गया :—

संगीत

श्री अमीर खां — हिन्दुस्तानी गायन
श्री अयोध्या प्रशाद — हिन्दुस्तानी वादन (पखावज)
श्री सी० वेंकट राव — कर्नाटक गायन
श्री के० एस० बैकटरमैया "पापा"—कर्नाटक वादन (वायलिन)

नृत्य

श्री बालू भागवतार — भागवत मेल
श्री कलामंडलम श्री कृष्णन नैय्यर — कथकली

नाटक

श्री पी० एल० देशपांडे	—	नाटक-लेखन
श्री सबिताब्रतदत्त	—	अभिनय (बंगला)
श्री एस० वी० सहस्रनामम्	—	अभिनय (तमिल)
श्री श्रीकृष्ण पहलवान	—	नौटंकी (पारंपरिक रंगमंच)

पुरस्कार-वितरण समारोह

1967 के अकादेमी पुरस्कार-वितरण समारोह का आयोजन राष्ट्रपति डा० जाकिर हुसैन की अध्यक्षता में 22 फरवरी, 1968 को रवीन्द्र भवन, नई दिल्ली में हुआ। राष्ट्रपति ने विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में पुरस्कार वितरण किया। इस अवसर पर अकादेमी ने प्रथम बार संगीत, नृत्य और नाटकों का पांच दिन का समारोह आयोजित किया। सारे कार्यक्रम रवीन्द्र भवन के खुले मैदान में प्रस्तुत किये गये। इन कार्यक्रमों में पुरस्कार-प्राप्त कलाकारों ने भाग लिया।

सम्मानित एवं पुरस्कृत व्यक्तियों की सूची

इस सूची में (देखिए परिशिष्ट 2) संगीत, नाटक तथा नृत्य के क्षेत्रों में रत्न-सदस्यता और पुरस्कार प्राप्त करने वाले व्यक्तियों की सूची दी गई है।

अकादमी के पुरस्कारों की श्रेणियाँ

अकादमी के पुरस्कारों की वर्तमान श्रेणियों पर विचार करने तथा उनमें आवश्यक सुधार संबंधी सुझाव देने के लिए कार्यकारिणी समिति ने एक उप-समिति बनायी।

उप-समिति ने काफी छान-बीन के बाद पुरस्कार के लिए निम्नलिखित प्रणाली सुझायी :—

संगीत

पुरस्कारों की संख्या — चार

इनमें से दो पुरस्कार कर्नाटक संगीत के लिए तथा दो हिन्दुस्तानी संगीत के लिए होंगे।

नृत्य

पुरस्कारों की संख्या — चार

जब महासमिति के सदस्यों तथा अन्य लोगों से नृत्य के लिए पुरस्कृत किये जाने वाले व्यक्तियों के नाम सुझाने को कहा जायेगा तब उन्हें अकादेमी कार्यालय की ओर से विभिन्न नृत्य शैलियों की सूची भी दी जायेगी ताकि वे नाम सुझाते समय उन शैलियों को ध्यान में रख सकें।

नाटक

पुरस्कारों की संख्या — चार

नाट्य-पुरस्कार श्रेणी में नाटक-लेखन, निर्देशन, अभिनय और पारम्परिक रंगमंच शामिल होंगे।

जब महासमिति के सदस्यों तथा अन्य लोगों से नाटक के लिए पुरस्कृत किये जाने वाले व्यक्तियों के नाम सुझाने को कहा जायेगा तब उन्हें अकादेमी कार्यालय की ओर से नृत्य की ही तरह पारम्परिक रंगमंच के विभिन्न रूपों की सूची भी दी जायेगी ताकि वे पुरस्कार के लिए नाम सुझाते समय उन सभी रूपों को ध्यान में रख सकें।

समिति ने यह भी सुझाव दिया है कि साहित्य अकादेमी की तरह ही इस अकादेमी की ओर से भी कलाकारों को 5,000 रुपये का नकद इनाम दिया जाये। इसके अलावा प्रत्येक कलाकार को स्मरण-चिन्ह के रूप में एक ताम्र-पत्र भी दिया जाना चाहिए।

पुरस्कारों के वर्गीकरण की वर्तमान प्रणाली कुछ जटिल है और यह चुनाव के क्षेत्र को सीमित कर देती है। समिति द्वारा सुझायी गयी नयी प्रणाली चुनाव के क्षेत्र को अधिक व्यापक बना देगी। यह नयी व्यवस्था 1968-69 से लागू होगी।

चौथी पंचवर्षीय योजना

भारत सरकार ने चौथी पंचवर्षीय योजना में संगीत नाटक अकादेमी द्वारा सुझायी गयी योजनाओं के लिए मूलतः 25 लाख रुपये का अनुदान निर्धारित किया था, लेकिन 1966-67 में इसे घटाकर 22½ लाख कर दिया गया। यह रकम निम्नलिखित योजनाओं के लिए इस प्रकार वितरित की गई है :—

(1) लोक-संगीत, लोक-नृत्य और लोक-नाट्य के सर्वेक्षण के लिए	प्रति वर्ष 3 लाख रुपये और पूरी योजना अवधि में 15 लाख रुपये।
(2) संगीत-शास्त्र संबंधी शोध-कार्य के लिए	प्रति वर्ष एक लाख रुपये और पूरी योजना अवधि में 5 लाख रुपये।
(3) संगीत नाटक अकादमी संग्राहलय के विकास के लिए	प्रति वर्ष पचास हज़ार रुपये और पूरी योजना अवधि में 2½ लाख रुपये।
	कुल जोड़—22½ लाख रुपये पूरी योजना अवधि में।

किन्तु सरकार 1966-67 में इनमें से किसी भी योजना के लिए रुपया न दे सकी। बाद में चतुर्थ पंचवर्षीय योजना स्थगित कर दी गयी और निश्चय किया गया कि योजना में शामिल कार्यक्रमों पर 31 मार्च, 1969 तक एक-एक वर्ष के आधार पर अमल किया जायगा। सरकार ने 1967-68 में निम्नलिखित कार्यों के लिए एक लाख बीस हजार रुपए की राशि स्वीकृत की :-–

1. लोक संगीत, लोक नृत्य और लोक नाट्य का सर्वेक्षण
2. संगीत-शास्त्र में अनुसंधान

3. संगीत नाटक अकादेमी संग्रहालय का विकास
4. संगीत और नृत्य शलियों में विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए छात्रवृत्ति की योजना।

चौथा कार्य भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने अमल करने के लिए संगीत नाटक अकादेमी को सौंपा था।

आलोच्य वर्ष में एक लाख बीस हज़ार रुपए में से चालीस हजार रुपए की राशि ली गयी। इस में से तेरह हज़ार रुपए अकादेमी संग्रहालय के लिए मुखौटे, वेश-भूषा और कठपुतलियां खरीदने में खर्च किये गये। सत्ताईस हजार रुपए की राशि अगले वित्तीय-वर्ष में ले ली गयी।

पुस्तकालय और श्रवण-कक्ष

1967-68 के वर्ष में अकादेमी के पुस्तकालय में 568 नयी पुस्तकें आईं। इनमें से 440 पुस्तकें खरीदी गईं, 105 पुस्तकें विभिन्न संस्थाओं से उपहार स्वरूप प्राप्त हुईं और शेष 23 अकादेमी की आर्थिक सहायता से प्रकाशित पुस्तकें हैं। रेकार्ड-संग्राहलय के लिए 327 ग्रामोफोन रेकार्ड खरीदे गये और 28 ग्रामोफोन रेकार्ड विभिन्न संस्थानों ने भेंट किये।

कुछ समय पहिले तक अकादेमी-पुस्तकालय का उपयोग केवल संदर्भ-पुस्तकालय के रूप में किया जा रहा था, किन्तु अब यह पुस्तकालय आम जनता के लिए भी सुलभ है। कुछ स्थानीय संस्थाओं को पुस्तकें दी भी जाती हैं। विद्वानों और विद्यार्थियों ने पुस्तकालय से और विशेषकर श्रवण-कक्ष से बहुत लाभ उठाया है।

संग्रहालय

अकादेमी में लोक और आदिवासी वाद्य-यंत्रों का एक छोटा संग्रहालय है। इसमें कुछ प्रतिनिधि आधुनिक वाद्य-यंत्र भी हैं। इस वर्ष लगभग 30 और वाद्य-यंत्र प्राप्त किये गये। चतुर्थ पंचवर्षीय योजना के लिए स्वीकृत कार्यों में "संगीत नाटक अकादेमी संग्रहालय का विकास" भी है। इस कार्य के लिए चालू वित्तीय

वर्ष में विशेष राशि की व्यवस्था की गयी है। इस प्रकार अब एक सुनियोजित कार्यक्रम के अनुसार वाद्य यंत्र, कठपुतलियां, मुखौटे, वेश-भूषा, पुराने रेकार्ड और पाण्डुलिपियां आदि संकलित कर संग्रहालय को बढ़ाया जा रहा है।

रिकार्डिंग स्टुडियो

अकादेमी के पास आवश्यक उपकरणों से युक्त एक रिकार्डिंग स्टूडियो है। जुलाई 1966 से नियमित रूप से संगीत रिकार्ड करने का काम शुरू हो गया है। इस स्टूडिओ के कारण अकादेमी को शास्त्रीय और लोक संगीत के व्यवस्थित ढंग से रिकार्ड करने के कार्यक्रम में बहुत सफलता मिली है। सांस्कृतिक संस्थाओं और अन्य कलाकारों को भी इस स्टूडिओ की सुविधा प्राप्त है, और इसके लिए उनसे 30 रुपए प्रति घण्टे के हिसाब से फीस ली जाती है। इसके अतिरिक्त संगीत संस्थाओं को अकादेमी के संग्रह से संगीत की प्रतिलिपि देने की व्यवस्था है।

इस वर्ष शास्त्रीय संगीत रेकार्ड करने से सम्बद्ध अकादेमी के नियमित कार्यक्रम के अतिरिक्त लोक संगीत, आदिवासी संगीत और नाट्य-संगीत के भी टेप तैयार किये गये जो कि अकादेमी के टेप संगीत संहग्रालय में रखे हैं। अकादेमी, देश के विभिन्न भागों के दुर्लभ और विशिष्ट प्रकार के संगीत, नृत्य और नाटकों के प्रदर्शन का भी आयोजन करती है। इन सब कार्यक्रमों को बाकायदा रेकार्ड किया जाता है।

इस वर्ष निम्नलिखित महत्वपूर्ण कार्यक्रमों को रेकार्ड किया गया :—

1. श्री त्यागराज संगीत-समारोह (नई दिल्ली)
2. वहीद हुसैन खां—कण्ठ संगीत
3. अमीर हुसैन—तबला
4. भोलानाथ भट्ट—कण्ठ संगीत
5. ए० डागर—वीणा
6. नौटंकी—नाट्य संगीत
7. छाऊ नृत्य-संगीत (मयूरभंज शैली)
8. उस्ताद अमीर खां—कण्ठ संगीत
9. श्री त्यागराज संगीत समारोह (मद्रास)
10. के० एस० वेण्कटरामैय्या—वायलिन

11. लोक नृत्य संगीत (गणराज्य दिवस पर आये हुए लोक नर्तकों के कुछ दल का संगीत)
12. कृष्णाट्टम नृत्य संगीत

अकादेमी के संग्रह से शास्त्रीय संगीत और लोक-संगीत की प्रतिलिपियां लेने के लिए संस्थाओं और अनुसंधानकर्त्ताओं को प्रोत्साहित किया जाता है। इससे संगीत के व्यापक प्रसार और मूल्यांकन में बहुत सहायता मिली है। इस वर्ष देश और विदेश की अनेक संस्थाओं द्वारा संगीत विभागों ने इस व्यवस्था का लाभ उठाया है।

अभिनेताओं का रिकार्डिंग

कार्यकारिणी समिति के निश्चयानुसार इस वर्ष अकादेमी ने शम्भू मित्र और श्रीमती तृप्ति मित्र को "बहुरूपी" के कुछ प्रसिद्ध नाटकों के चुने हुए दृश्यों में रिकार्ड किया। इस योजना के अधीन विभिन्न-भारतीय भाषाओं के प्रमुख अभिनेताओं का रिकार्ड किया जाएगा।

संस्थाओं को वित्तीय सहायता

अकादेमी ने संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्र में काम करने वाली विभिन्न संस्थाओं को 1967-68 में भी वित्तीय सहायता दी। 1967-68 में जिन संस्थाओं को अनुदान दिया गया उनकी सूची परिशिष्ट 3 में दी गई है।

इसके अतिरिक्त उपाध्यक्ष के विशेषाधिकार से दस हज़ार रुपए का अनुदान कुछ विशिष्ट कार्यों के लिए दिया गया। अनुदान की यह राशि पारस्परिक सम्बन्ध और सद्भाव बढ़ाने के लिए संगीतज्ञों और संगीतशास्त्रियों को एक प्रदेश से दूसरे प्रदेश में आने-जाने के लिए, हिन्दी और कन्नड के एक-एक नाटककार को कलकत्ता और भुवनेश्वर जाकर इन क्षेत्रों के नये रंगमंच की गतिविधियों से परिचित होने और इन क्षेत्रों के नाटककारों से व्यक्तिगत सम्पर्क स्थापित करने के लिए, मराठी और कन्नड रंगमंच के अभिलेखन के लिए, हैदराबाद में "बहुरूपी" के नाट्य प्रदर्शन प्रस्तुत करने तथा अन्य सम्बद्ध कार्यों के लिये दी गई।

प्रकाशन

अकादेमी का एक महत्वपूर्ण कार्य भारत की सभी भाषाओं में संगीत, नृत्य और नाटक से सम्बद्ध साहित्य के प्रकाशन को प्रोत्साहन देना है। ऐसी पुस्तकें या तो अकादेमी स्वयं प्रकाशित करती है, अथवा इस कार्य के लिए समुचित वित्तीय सहायता दी जाती है। अकादेमी ऐसे प्रकाशनों को प्रोत्साहित करने के लिए ही ऐसी पुस्तकें खरीदती भी हैं। ये पुस्तकें सांस्कृतिक संस्थाओं तथा पुस्तकालयों को वितरित की जाती हैं। इन विषयों की पत्रिकाओं को भी अकादेमी आर्थिक सहायता देती है।

वित्तीय सहायता के आवेदनों पर प्रकाशन समिति विचार करती है। इस समिति के सदस्यों के नाम हैं :—

श्री के० पी० एस० मेनन (अध्यक्ष)
डा० वी० राघवन
श्री ए० रामकृष्ण राव
श्री अशोक मित्र
डा० महेश्वर नियोग
डा० कैलाश चन्द्रदेव बृहस्पति
स्वामी प्रज्ञानंद

प्रकाशन समिति की सिफारिशों का अनुमोदन कार्यकारिणी समिति करती है।

अनुदान

आलोच्य वर्ष में अकादेमी ने प्रकाशन के लिए निम्नलिखित अनुदान स्वीकृत किये :—

कुचीपुडी एण्ड टैम्पल रिदम्स आफ आन्ध्र लेखक सी० आर० आचार्युलु	रु० 2000
बंगला संगीत पत्रिका 'विश्व वीणा'	रु० 1000
संगीत एकेडेमी, मद्रास की संगीत पत्रिका	रु० 2000

अकादेमी ने निम्नलिखित पुस्तकें खरीदीं :—

1. संगीत चिन्तामणि (हिन्दी) 25 प्रतियां
2. मंचलेखा (असमिया) 50 प्रतियां
3. स्प्रिचुअल हैरिटेज आफ त्यागराज (द्वितीय संस्करण) 50 प्रतियां

अकादेमी की आर्थिक सहायता से निम्नलिखित पुस्तकें प्रकाशित हुईं :—

बेला वादन शिक्षा —तुलसीराम देवांगन
बंगीय लोक-संगीत रत्नाकर – डा० आशुतोष भट्टाचार्य
साइको एकाउस्टिक्स आफ
म्युज़िक एण्ड स्पीच —ड० बी० सी० देव

अकादेमी की सहायता से निम्नलिखित पुस्तकें छप रही हैं :—

रंगमंच —बलवन्त गार्गी
कुठनूल (पहला भाग) —एस० डी० सुब्रमण्य योगी
भारतीय शास्त्रीय संगीत में
रवीन्द्रनाथ का स्थान —श्रीमती अनिता सेन

अकादेमी के प्रकाशन

1. स्टाफ स्वरलिपि के साथ रवीन्द्रनाथ ठाकुर के एक सौ गीतों के संकलन का दूसरा भाग ।

पत्रिका

2. अकादेमी की द्विवार्षिक पत्रिका 'संगीत नाटक' का प्रकाशन चौथे अंक के बाद से त्रैमासिक पत्रिका के रूप में होने लगा । इस वर्ष पत्रिका के चौथे, पांचवें और छठे अंक प्रकाशित हुए । इनमें से छठा अंक श्री त्यागराज विशेषांक था । इस पत्रिका का मूल्य 3 रु० प्रति अंक है । वार्षिक चन्दा 10 रु० प्रतिवर्ष तथा विदेशों के लिए 5 डालर प्रति वर्ष है ।

इस वर्ष पत्रिका की बिक्री और ग्राहक-संख्या भी बढ़ी है।

3. द्वैमासिक समाचार बुलेटिन नियमित रूप से प्रकाशित होता रहा। इसमें अकादेमी और अन्य सम्बद्ध संस्थाओं की संगीत, नृत्य और नाटक सम्बन्धी गतिविधियों का विवरण प्रकाशित किया गया। देश भर की कलात्मक गतिविधियों के समाचार आदि प्रकाशित कर इस बुलेटिन का कार्यक्षेत्र बढ़ाने का विचार है।

4. संगीतज्ञों की परिचय पुस्तक प्रेस में है। आशा है कि यह आगामी वित्तीय वर्ष में छप कर तैयार हो जायेगी।

5. डा० श्रीमती कपिला वात्स्यायन की पुस्तक "क्लासिकल इण्डियन डान्स इन लिटरेचर एण्ड दी आर्ट्स" भी शीघ्र छप कर तैयार होने को है।

प्रस्तावित प्रकाशन

अकादेमी ने निम्नलिखित पुस्तकों के प्रकाशन की योजना बनाई है, इन्हें सम्भवत: अगले वर्ष प्रकाशित किया जायेगा—

1. गीत गोविन्द—एक विचार गोष्ठी

    मार्च 1967 में अकादेमी ने "गीत गोविन्द विचार गोष्ठी" आयोजित की थी। इसमें प्रस्तुत प्रबंधों का संग्रह उपरोक्त पुस्तक में होगा।

2. टैगोर थियेटर्स—ए हैण्डबुक

    इस पुस्तिका में देश के विभिन्न टैगोर रंगशालाओं के सम्बन्ध में टैक्निकल तथा अन्य सम्बद्ध सूचनाएं होंगी।

3. एन आल इंडिया कलेन्डर आफ फेस्टीवल्स आफ म्युजिक, डान्स एण्ड ड्रामा। उपरोक्त संदर्भ-ग्रन्थ में उन अधिकांश संगीत, नृत्य और नाट्य समारोहों से सम्बद्ध सूचना होगी जिनका आयोजन देश में प्रति वर्ष किया जाता है।

दुर्लभ ग्रन्थ

अकादेमी ने यह महत्वपूर्ण काम भी शुरू किया है कि संगीत, नृत्य और नाटक से सम्बद्ध जो महत्वपूर्ण पुस्तकें बाजार में नहीं मिल रही हैं उन्हें दुबारा प्रकाशित किया जाय। अकादेमी के विशेष कार्याधिकारी (संगीत) ने डा० वी० राघवन के परामर्श से ऐसी पुस्तकों की सूची तैयार की थी और इसे देश के कुछ प्रमुख संगीत-शास्त्रियों के पास भेजा गया था ताकि इस सूची में संशोधन और परिवर्धन किया जा सके। विभिन्न संगीतशास्त्रियों के सुझावों को ध्यान में रखकर जो सूची तैयार की गई है वह परिशिष्ट चार-ए में देखी जा सकती है। यह योजना बहुत बड़ी है और इस पर काफी रुपया खर्च होगा इसलिए इसे धीरे-धीरे कई वर्षों में पूरा किया जायेगा।

अकादेमी से जो पुस्तकें खरीदी जा सकती हैं उनकी सूची परिशिष्ट चार में है।

अकादेमी की गतिविधियाँ

श्री त्यागराज को श्रद्धांजलि

15 से 17 मई, 1967 तक

संगीत नाटक अकादेमी ने 1967 में श्री त्यागराज की द्विशतवार्षिकी मनाई। इस सिलसिले में देश के विभिन्न भागों में समारोहों का आयोजन किया गया। दिल्ली में 15 मई, 1967 को तीन दिन के संगीत सम्मेलन का समारम्भ हुआ। कलकत्ता, बम्बई, हैदराबाद, तिरुअनन्तपुरम और मद्रास की राज्य अकादेमियों और महत्वपूर्ण साँस्कृतिक संगठनों ने केन्द्रीय संगीत नाटक अकादेमी से इस अवसर पर सहयोग किया। इन आयोजनों के अन्तर्गत प्रमुख संगीतज्ञों की संगीत सभाएं की गईं, त्यागराज के जीवन और कृतित्व पर विचार-गोष्ठियां आयोजित की गईं तथा त्यागराज की रचनाओं पर युवक कलाकारों की प्रतियोगिताएं की गईं। मद्रास की संगीत अकादेमी ने अपने वार्षिक सम्मेलन में इस महान् स्वरकार के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की।

विचार गोष्ठी

त्यागराज के जीवन और कृतित्व पर दिल्ली में दो दिन की विचार गोष्ठी हुई। इसमें भाग लेने के लिए प्रमुख विद्वानों को आमंत्रित किया गया और इन्होंने

श्री त्यागराज की महत्वपूर्ण देन पर प्रकाश डाला। इस गोष्ठी में श्री टी० एल० वेंकटराम अय्यर, प्रो० पी० साम्बमूर्ति, प्रो० एन० एस० रामचन्द्रन्, डा० वी० के० नारायण मेनन, श्री टी० एस० पार्थसारथि, प्रो० एस० श्रीनिवास राव और श्री टी० के० जयरामअय्यर ने भी भाग लिया।

संगीत समारोह

दिल्ली में 15,16 और 17 मई, 1967 को त्यागराज स्मारक संगीत समारोह किया गया। इसमें श्रीमती एम० एल० वसन्तकुमारी (कण्ठ संगीत), श्री एस० बालचन्द्र (वीणा) और श्री एम्बर विजयराघवाचारियार (हरिकथा) ने अपनी कला-प्रदर्शित की।

प्रदर्शनी

इन समारोहों के अवसर पर त्यागराज के जीवन और कृतित्व से सम्बद्ध फोटोचित्रों, पाण्डुलिपियों और पुस्तकों की प्रदर्शनी भी की गई। यह प्रदर्शनी देश के अन्य भागों में भी भेजी गई।

संगीत गोष्ठियां और सभाएं

25 मई, 1967

अकादेमी ने रवीन्द्र भवन में स्व० श्री अतुल प्रसाद सेन के गीतों के रेकार्डों पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किया। ये गीत श्रीमती शीला सेन ने गाये हैं। कार्यक्रम बहुत ही सफल रहा।

4 जुलाई, 1967

अकादेमी की महासमिति के सदस्यों और निमंत्रित व्यक्तियों की उपस्थिति में उस्ताद अलाउद्दीन खाँ, उस्ताद बड़े गुलाम अली खाँ, राजस्थान के लोकरंजक और राजस्थान के लोक वाद्य यंत्र, नामक चार फिल्में दिखाई गईं।

9 और 10 सितम्बर, 1967

अकादेमी ने विशिष्ट नर्तकों, नृत्य-संगीतज्ञों और आलोचकों आदि के सम्मुख नृत्य-फिल्मों के प्रदर्शन की व्यवस्था की। दो दिन के इस कार्यक्रम में संसार के विभिन्न देशों के समसामयिक नृत्यों से सम्बद्ध चलचित्र दिखाये गये। ये चलचित्र विभिन्न दूतावासों की सहायता से मिले।

21 और 22 सितम्बर, 1967

अकादेमी ने छाऊ नृत्यों का आयोजन किया। छाऊ नृत्य की दो प्रमुख शैलियों में से इस कार्यक्रम में केवल मयूरभंज शैली के नृत्य प्रस्तुत किये गये। ये नृत्य बाड़ी-पाद की मयूरभंज नृत्य परिषद् के कलाकारों ने दिखाये। यह कार्यक्रम सर्वसाधारण जनता के लिए भी था और दोनों ही दिन काफी लोगों ने नृत्य देखे।

12 फरवरी, 1968

त्रैवार्षिक विश्व समसामयिक कला समारोहों के अवसर पर अकादेमी ने रवीन्द्र भवन में भारतीय नृत्यों का कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें उमा शर्मा (कत्थक), रीता जी. चटर्जी (कथकली) और सोनल मानसिंह (भरतनाट्यम) ने भाग लिया। यह कार्यक्रम त्रिवार्षिकी में भाग लेने वाले प्रतिनिधियों के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

22 फरवरी, 1967 1968

अकादेमी के वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह के अवसर पर अकादेमी ने इस वर्ष पहली बार संगीत, नृत्य और नाटक के कार्यक्रम का आयोजन किया। पाँच दिन के इस समारोह में इस वर्ष के सम्मानित महान् कलाकारों ने अपनी कला प्रदर्शित की।

28 और 29 मार्च, 1968

अकादेमी ने प्राचीन नाट्य पद्धति 'कृष्णाट्टम' के दो प्रदर्शनों की व्यवस्था की। इसे कलानिलयम गुरुवयुर (केरल) के कलाकारों ने प्रस्तुत किया। इन कलाकारों ने 'रासक्रीड़ा' और 'बाणयुद्धम्' का प्रदर्शन किया।

भाषन और प्रदर्शन

29 मई, 1967

अकादेमी ने अमरीकी नृत्य संगीतज्ञ कुमारी अन्ना आर० नसीफ़ के 'नृत्य संगीत' के प्रति रचनामूलक और वैधानिक दृष्टिकोण के बारे में भाषण और प्रदर्शन का आयोजन किया। कुमारी अन्ना विसकौन्सिन विश्वविद्यालय में असिस्टैंट प्रोफेसर (उप-प्राध्यापक) हैं।

17 अगस्त, 1967

अकादेमी ने हंगरी की विज्ञान अकादेमी के सदस्य और प्रसिद्ध संगीतशास्त्री

श्री रुदोल विग को हंगरी के जिप्सी संगीत के बारे में सोदाहरण वार्त्ता के लिए निमंत्रित किया। श्री विग भारत के लोक संगीत का और विशेषकर बंजारों के संगीत का अध्ययन करने के लिए भारत पधारे थे।

10 सितम्बर, 1967

अकादेमी ने 'छाऊ नृत्य की शैलियों' के बारे में भाषण और प्रदर्शन का आयोजन किया।

विविध

4 दिसम्बर, 1967 से जनवरी, 1968 तक

मद्रास की संगीत अकादेमी के वार्षिक समारोह और संगीत सम्मेलन के अवसर पर केन्द्रीय संगीत नाटक अकादेमी ने इस समारोह में भाग लेने वाले कलाकारों के कार्यक्रम रेकार्ड किये।

अकादेमी ने गणराज्य दिवस के अवसर पर दिल्ली में आयोजित लोकनृत्य समारोह में भाग लेने वाली टोलियों के फोटो लिए और उनके लोक संगीत के टेप रेकार्ड बनाये।

सूचना सेवा

देश के विभिन्न भागों के बीच साँस्कृतिक सम्पर्क बढ़ाने और विदेशों के साथ भी संगीत, नृत्य और नाटक के क्षेत्र में सम्पर्क बढ़ाने के उद्देश्य से अकादेमी उन सब प्रश्नों आदि का समुचित उत्तर देती है जो देश और विदेश की संस्थाएं तथा व्यक्ति पूछते हैं। आलोच्य वर्ष में यह कार्य बाकायदा किया जाने लगा और ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर देने के लिए वर्तमान कर्मचारियों में से ही 'सूचना यूनिट' संगठित की गई।

इस वर्ष 'सूचना यूनिट' ने विभिन्न राज्यों में संगीत, नृत्य और नाटक के प्रदर्शनों पर लगाये जाने वाले मनोरंजन कर के बारे में तथा इन प्रदर्शनों से सम्बद्ध

राज्यों के सेंसर सम्बन्धी कानूनों के बारे में जानकारी एकत्र की। इस यूनिट ने राज्यों के रवीन्द्र थियेटर का सर्वेक्षण और रंगमंच पर इनके प्रभाव के बारे में भी अध्ययन किया। अब इस विषय पर आकादेमी द्वारा नियुक्त एक उपसमिति और विचार कर रही है। 'रंगमंच निर्देशन पुस्तिका' प्रकाशित करने के लिए अकादेमी विभिन्न राज्यों में उपलब्ध रंगमंच की सुविधा से सम्बद्ध टैक्निकल जानकारी एकत्र कर रही है।

सूचना यूनिट ने संगीत, नृत्य और नाटक समारोहों का तिथिपत्र तैयार करने के लिए भी आवश्यक सामग्री जुटाई है। यह तिथिपत्र अकादेमी-बुलेटिन में समय-समय पर प्रकाशित करने का विचार है। संगीत समारोहों के बारे में तिथिपत्र अकादेमी बुलेटिन के मार्च-अप्रैल अंक में प्रकाशित किया गया था।

सूचना पुस्तक माला भी प्रकाशित करने का विचार है। इस माला के अन्तर्गत प्रारम्भ में निम्नलिखित पुस्तकें प्रकाशित की जायेंगी :—

1. ए कलेंडर ऑफ फेस्टीवल ऑफ म्यूजिक, डाँस एण्ड ड्रामा
2. टैगोर थियेटर्स—ए हैण्डबुक
3. स्टेजिंग फैसिलिटीज़ इन इण्डिया—ए हैंण्डबुक

श्री त्यागराज द्विशतवार्षिकी समारोहों की रिपोर्ट
(1967-68)

संगीत नाटक अकादेमी ने सन्त और संगीतज्ञ श्री त्यागराज की द्विशत-वार्षिकी अखिल भारतीय स्तर पर 1967 में मनाने का निश्चय किया। अकादेमी की कार्यकारिणी ने ये समारोह वर्ष भर मनाने के लिए समुचित कार्यक्रम बनाने के लिए निम्नलिखित सदस्यों की एक उपसमिति नियुक्त की :—

श्री टी० एल० वैंकटरामा अय्यर
श्री एस० नरसिंह राव
डा० वी० राघवन
डा० सुरेश अवस्थी, सचिव, संगीत नाटक अकादेमी (संयोजक)

मद्रास में 25-12-1966 और 15-1-1967 को इस समिति की दो बैठकें हुईं जिनमें कार्यक्रम के ब्यौरे पर विचार किया गया। बैठकों में निम्नलिखित विद्वानों को विशेष रूप से निमंत्रित किया गया :—

न्यायाधीश के० एस० वेंकटरामन
श्री आर० चोज्ञरामन

ऐम्बर श्री विजयराघवाचारियर
श्री एस० बालचन्द्र
मुसिरी श्री सुब्रह्मण्य अय्यर
सेम्मनगुडी श्री श्रीनिवास अय्यर
पालघाट श्री मणि अय्यर
श्री एस० डी० सुन्दरम
प्रो० पी० साम्बमूर्त्ति

इस समिति ने निम्नलिखित सिफारिशें कीं :—

दिल्ली और विभिन्न राज्यों में स्थानीय अकादेमियों के सहयोग से कार्यक्रम आयोजित किये जायें। इन कार्यक्रमों के अधीन संगीत सभाएं (त्यागराज की कृतियाँ), विचार-गोष्ठियाँ और प्रदर्शनी आदि का आयोजन किया जाय।

श्री त्यागराज की चुनी हुई 200 कृतियों का देवनागरी लिपि में भातखण्डे स्वरलिपि के साथ प्रकाशित किया जाय।

इन समारोहों के लिए प्राप्त कुल चालीस हजार रुपये में से विभिन्न राज्यों की अकादेमियों और अन्य संस्थाओं को वित्तीय सहायता के रूप में जो राशि दी गई उसका ब्यौरा इस प्रकार है :—

मैसूर राज्य संगीत नाटक अकादेमी, बंगलौर	2,000.00
आन्ध्र प्रदेश संगीत नाटक अकादेमी, हैदराबाद	3,000.00
उत्तरप्रदेश संगीत नाट्य भारती, लखनऊ	3,000.00
महाराष्ट्र राज्य सरकार	2,000.00
रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय, कलकत्ता	1,100.00
केरल संगीत नाटक अकादेमी, त्रिचूर	2,000.00
संगीत अकादेमी, मद्रास	10,000·00
	23,100.00

अन्य खर्चे :

दिल्ली की संगीत सभा	11,120.53
दिल्ली में आयोजित संगीत प्रतियोगिता	515.75
कृति मणि मलै और स्पिरिचुअल हेरिटेज आफ़ त्यागराज	3,564.50
	15,200.78

देश भर में आयोजित इन समारोहों में जनता ने बहुत रुचि ली। इन समारोहों की विशेषता यह भी रही कि उत्तर भारत के बहुत अधिक लोगों ने इन समारोहों में भाग लिया और प्रसिद्ध संगीतज्ञों द्वारा प्रस्तुत कृतियों का रसास्वादन किया। राज्यों की अकादेमियों और सहयोग करने वाली अन्य संस्थाओं ने इन समाराहों में बहुत उत्साह से भाग लिया। विभिन्न शहरों में आयोजित इन समारोहों में देश के प्रसिद्ध कलाकारों ने भाग लेकर महान् सन्त और गायक को अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। अकादेमी के सचिव और अन्य अधिकारी विभिन्न शहरों में आयोजित इन समारोहों में से अधिकांश में उपस्थित रहे और अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाओं के समाचार-पत्रों ने इन समारोहों का विवरण प्रकाशित किया।

केन्द्रीय संगीत नाटक अकादेमी ने दिल्ली, लखनऊ, हैदराबाद, मद्रास और बंगलौर में श्री त्यागराज के जीवन और कृतित्व के बारे में फोटोचित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया।

इन समारोहों की सबसे विशिष्ट बात यह रही कि संगीत अकादेमी, मद्रास के वार्षिक संगीत सम्मेलन में इस वर्ष श्री त्यागराज द्विशतवार्षिकी को ध्यान में रखकर दस दिन तक कृतियों का गायन होता रहा। इसके अतिरिक्त श्री त्यागराज के जीवन और कृतित्व के बारे में कई विचार-गोष्ठियों और प्रदर्शनों का आयोजन किया गया।

इन समारोहों के अवसर "स्प्रिचुअल हैरिटेज ऑफ त्यागराज" (रामकृष्ण मिशन, मद्रास) और "कृति मणि मलय" पहला और दूसरा भाग, लेखक रंगरामानुज अयंगार विभिन्न अकादेमियों और विश्वविद्यालयों को मुफ्त देने के लिए खरीदी गईं।

संगीत नाटक अकादेमी ने अपनी पत्रिका "संगीत नाटक" का छठा अंक श्री त्यागराज विशेषांक के रूप में प्रकाशित किया जिसमें विचार-गोष्ठियों में प्रस्तुत निबन्ध इत्यादि प्रकाशित किये गये।

अकादेमी श्री त्यागराज की 200 कृतियों का चुनाव भी कर रही है। इन्हें चार भागों में प्रकाशित किया जायगा। प्रत्येक भाग में 50-50 कृतियां होंगी। यह ग्रन्थ देवनागरी लिपि में भातखण्डे स्वरलिपि के साथ प्रकाशित होगा।

दिल्ली

1. दिल्ली में 15 मई, 1967 से 17 मई, 1967 तक उद्घाटन समारोह हुए । श्री टी० एल० वेंकटराम अय्यर ने इस समारोह की अध्यक्षता की । इसमें जिन कलाकारों ने भाग लिया उनके नाम हैं :—श्रीमती राजलक्ष्मी जगन्नारायण (कण्ठ संगीत), श्रीमती एम० एल० वसन्तकुमारी (कण्ठ संगीत), श्री एस० बालचन्दर (वीणा), और ऐम्बार श्री विजयराघवाचारियर (हरिकथा कालक्षेपम्) ।

2. संगीत के अतिरिक्त, श्री त्यागराज के जीवन और कृतित्व के बारे में विचार गोष्ठी की गई । इसमें प्रो० पी० साम्बमूर्त्ति, प्रो० एन० एस० रामचन्द्रन, प्रो० एस० श्रीनिवास राव, श्री टी० एस० पार्थसारथि और श्री टी० एल वेंकट-राम अय्यर ने निबन्ध पढ़े । डा० वी० के० नारायण मेनन ने गोष्ठी का सभापतित्व किया । विचारगोष्ठी में प्रस्तुत निबन्ध 'संगीत नाटक' अंक 6 (अक्तूबर—दिसम्बर 1967) के त्यागराज विशेषांक में प्रकाशित किये गये हैं ।

3. समारोहों के सिलसिले में श्री त्यागराज से सम्बद्ध पुस्तकों, पाण्डुलिपियों और फोटोचित्रों की प्रदर्शनी भी की गई । इसके लिए अकादेमी के टैक्निकल अधि-कारी ने विशेष रूप से जो फोटो लिये उनमें सन्त के जन्म-स्थान तिरुवय्युर, उनकी तीर्थयात्रा, और मदुरई की सौराष्ट्र सभा के पास रखी पाण्डुलिपियों इत्यादि के फोटो भी थे । डा० वी० राघवन, प्रो० पी० साम्बमूर्ति और श्री० टी० एस० पार्थ-सारथि ने इस प्रदर्शनी के लिए कुछ दुर्लभ ग्रन्थ और पाण्डुलिपियां भी थोड़े समय के लिए अकादेमी को दीं ।

4. अकादेमी ने 1 मई से 4 मई, 1968 तक युवक कलाकारों के लिए श्री त्याग-राज को रचनाओं की प्रतियोगिता भी की । यह प्रतियोगिता दिल्ली में रहने वालों के लिए थी । इसमें दो वर्गों के कलाकारों ने भाग लिया । 15 वर्ष से 25 वर्ष तक की आयु के और 15 से कम आयु के । इस प्रतियोगिता में कुल मिलाकर लगभग 40 कलाकारों ने भाग लिया और कण्ठ संगीत, वीणा तथा वायलन वादन में पुरस्कार प्रदान किये गये । प्रो० एन० एस० रामचन्द्रन, श्री० वी० वी० सदागोपन और श्री ऐमनी शंकर शास्त्री निर्णायक थे ।

हैदराबाद

1. हैदराबाद में आन्ध्र-प्रदेश संगीत नाटक अकादेमी के सहयोग से 27-8-1967 से समारोह किये गये । आन्ध्र-प्रदेश के मुख्य मंत्री श्री के० ब्रह्मानन्द रेड्डी ने इन

समारोहों का उद्घाटन किया। कृषि विश्वविद्यालय हैदराबाद के उपकुलपति श्री ओ० पुल्ला रेड्डी ने समारोह की अध्यक्षता की (श्रीमती एम० एल० वसन्त कुमारी, श्री नेदुनूरी कृष्णमूर्त्ति (कण्ठ संगीत), श्री वासकृष्णमूर्त्ति (वीणा), श्री वोलेति वेंकटेश्वरलु (कण्ठ संगीत) और श्री एम० सदाशिव शास्त्री (हरिकथा कालक्षेपम्) की संगीत सभाएं आयोजित की गईं। समारोहों की मुख्य बात में प्रो० पी० साम्बमूर्त्ति, श्री पी० रामचन्द्र राव, श्री एम० एस० बालसुब्रह्मण्य शर्मा और श्री एन० च० सत्यनारायण की सोदाहरण वार्ताएं थीं।

2. अकादेमी की भेजी हुई फोटो प्रदर्शनी की गई।

3. तेलुगु फिल्म 'त्यागराज' दिखाई गई जिसमें मुख्य भूमिका वी० नागय्या की है।

4. इस अवसर पर आन्ध्र प्रदेश संगीत नाटक अकादेमी ने अपनी पत्रिका "नाट्य कला" का विशेषांक प्रकाशित किया।

बंगलौर

1. नई दिल्ली की संगीत नाटक अकादेमी के सहयोग से मैसूर राज्य संगीत नाटक अकादेमी ने 16 और 17 सितम्बर, 1967 को विधान सौंध में समारोहों का आयोजन किया।

मैसूर के राज्यपाल श्री गोपाल स्वरूप पाठक ने इन समारोहों का और फोटो प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। मैसूर सरकार के कानून और संसदीय कार्यमंत्री श्री एस० आर० कण्ठी ने समारोहों की अध्यक्षता की। श्री वालजपेठ वेंक्टरकेमरण भागवतर की प्रसिद्ध रचना 'गुरुस्तुति' में समारोह आरम्भ हुए। श्रीमती जी० आर० जया ने राग मलिका में आठ श्लोक प्रस्तुत किये।

2. पहले दिन के समारोह की विशेषता कर्नाटक संगीत के लिए अकादेमी पुरस्कार प्राप्त करने वाले कलाकारों द्वारा श्री त्यागराज की पंचरत्न कृतियों का गोष्ठी गायन था।

3. दूसरे दिन के समारोह श्री त्यागराज के जीवन और कृतित्व के बारे में विचार गोष्ठी से आरम्भ हुए। विचार गोष्ठी में श्री त्यागराज के जीवन और कृतित्व के विभिन्न पहलुओं की चर्चा की गई। श्री सन्ध्यावन्दनम् श्रीनिवास राव ने गोष्ठी की अध्यक्षता की। इसमें निम्नलिखित विद्वानों ने भाग लिया :—

श्री एन० चेन्नकेशवैय्या त्यागराज की कृतियों का भक्ति सम्बन्धी पहलू, श्री एच० योगनरसिंहम—श्री त्यागराज का संदेश, श्री एल० राय राव पुरन्दरदास और त्यागराज, श्रीमती एल० जी० सुमित्रा—रहस्यवादी संत श्री त्यागराज, पद्मश्री बी० शिवमूर्त्ति शास्त्री—कर्नाटक संगीत और श्री त्यागराज, श्री आर० सत्यनारायण—संहिता रत्नाकर और श्री त्यागराज।

4. यदूराजा कालिज, बंगलौर और यूनिवर्सिटी कालेज ऑफ म्यूजिक एण्ड डांस, मैसूर के विद्यार्थियों और अध्यापकों के गायक दल ने श्री त्यागराज की चुनी हुई रचनाएं सुनाईं।

5. दिल्ली की संगीत नाटक अकादेमी ने जो फोटोचित्र प्रदर्शनी भेजी थी उसमें मैसूर अकादेमी का दुर्लभ फोटो संग्रह भी शामिल कर दिया गया। त्यागराज की स्मृति में कन्नड में 'नादयोगी त्यागराज' पुस्तक प्रकाशित की गई।

प्रदर्शनी बहुत लोकप्रिय हुई। मैसूर राज्य की अनेक संस्थाओं के अनुरोध पर यह प्रदर्शनी कुछ अन्य स्थानों पर भी की गई।

कलकत्ता

कलकत्ते में रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय के सहयोग से 30-3-1968 को समारोह किया गया। कलकत्ते के तमिल लेखक संघ के प्रधान श्री पी० एन० त्यागराजन ने समारोह की अध्यक्षता की। इस अवसर पर ललित कला फैकल्टी के डीन प्रो० आर० सी० बैनर्जी ने भी भाषण दिया। श्रीमती मंगलम मणि, श्री आर० कन्नन, श्री के० पी० भगवतन और अन्य संगीतज्ञों ने श्री त्यागराज की रचनाएं प्रस्तुत कीं। आकाशवाणी के कलकत्ता केन्द्र ने इस कार्यक्रम को प्रसारित भी किया।

लखनऊ

उत्तरप्रदेश संगीत नाट्य भारती ने संगीत नाटक अकादेमी के सहयोग से 18-3-1968 को समारोह किया। उत्तरप्रदेश के राज्यपाल श्री बी० गोपाल रेड्डी ने इसका उदघाटन किया। श्रीमती राजलक्ष्मी जगन्नारायणन और अन्य कलाकारों का गायन और संगीत नाटक अकादेमी द्वारा तैयार फोटोचित्र प्रर्दशनी भी की गई।

मद्रास

केन्द्रीय संगीत नाटक अकादेमी के सहयोग से संगीत अकादेमी मद्रास का 41वां सम्मेलन त्यागराज द्विशतवार्षिकी सम्मेलन के रूप में किया गया।

1. उत्तरप्रदेश के राज्यपाल श्री बी० गोपाल रेड्डी ने 20 दिसम्बर, 1967 को इस सम्मेलन का उद्घाटन किया। संगीत अकादेमी मद्रास के अध्यक्ष श्री टी० एल० वेंकटरामा अय्यर ने अपने भाषण में श्री त्यागराज की चहुँमुखी देन की चर्चा की और कहा कि मद्रास संगीत अकादेमी का 41वां सम्मेलन श्री त्यागराज द्विशतवार्षिकी सम्मेलन के रूप में करना उचित ही है। श्रीलंका के सर्वोच्च न्यायालय के न्यायधीश डा० एच० डब्ल्यू तम्बियाह ने श्रीलंका में रहने वाले कर्नाटक संगीत प्रेमियों और श्री त्यागराज के प्रशंसकों की ओर से यह समारोह करने के लिए बधाई दी।

भाषण के बाद पांच प्रसिद्ध संगीतज्ञों ने श्री त्यागराज की पांच प्रसिद्ध रचनाएं "पंचरत्न" प्रस्तुत कीं।

2. 21 दिसम्बर, 1967 से 1 जनवरी, 1968 तक 46 संगीत-गोष्ठियां हुईं। इनमें वाद्य संगीत की गोष्ठियां भी शामिल हैं। संगीतज्ञों ने केवल त्यागराज की कृतियां प्रस्तुत कीं। इसके अतिरिक्त तीन नृत्य भी हुए। तीसरे नृत्य में श्रीमती कमला और उनके दल ने श्री त्यागराज के 'नौक चरितम्' की नृत्य नाटिका प्रस्तुत की।

3. सबेरे अकादेमी की विशेषज्ञ समिति की बैठकें होती थीं जिनमें संगीतज्ञ, संगीतशास्त्री, विद्वान् और श्री त्यागराज की शिष्यपरम्परा की तीन शाखाओं के प्रतिनिधि भाग लेते थे।

विशेष वार्त्ता माला के अन्तर्गत तेलुगु, कन्नड और मलयालम क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने श्री त्यागराज की कृतियों के प्रचार से सम्बद्ध ऐतिहासिक सूचनाएं प्रस्तुत कीं।

दो बार हरिकथा प्रस्तुत की गई। इसमें श्री त्यागराज के भजन भी सम्मिलित किये गये। भक्ति-साहित्य में इन भजनों का विशिष्ट स्थान है।

सम्मेलन के अन्तिम दिन 'दिव्यनाम संकीर्तन' और 'उत्सव सम्प्रदाय कीर्तन' नामक परम्परागत भजनों का कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

4. श्री त्यागराज प्रदर्शनी में वे पाण्डुलिपियां जनता को दिखाई गईं जिनमें श्री त्यागराज के भजन और अन्य कृतियां हैं। ये पाण्डुलिपियां श्री त्यागराज के

शिष्यों की वलजपेठ शाखा के पास सुरक्षित चली आ रही हैं और अब मदुरई की सौराष्ट्र सभा के पास हैं। केन्द्रीय अकादेमी द्वारा श्री त्यागराज के जीवन और कृतित्व से सम्बद्ध फोटोचित्र प्रदर्शनी भी की गई।

5. अकादेमी के संग्रहालय के लिए लगभग 30 घण्टे का विशेष संगीत कार्यक्रम रेकार्ड किया गया।

तिरुअनन्तपुरम्

कर्नाटक संगीत नाटक अकादेमी के सहयोग से 29 और 30 मार्च को समारोह किया गया। त्रिचूर के माडल रीजनल थियेटर में श्री त्यागराज की रचनाओं के बारे में अखिल केरल प्रतियोगिता की गई। कण्ठ संगीत की इस प्रतियोगिता में 3 लड़कों और 18 लड़कियों ने भाग लिया। 14 वर्ष से 18 वर्ष तक की आयु के और 19 से 24 वर्ष तक की आयु के लड़के लड़कियों के लिए अलग-अलग प्रतियोगिताएं की गईं।

31-3-1968 को सार्वजनिक सभा हुई जिसका सभापतित्व केरल संगीत नाटक अकादेमी के प्रधान श्री के० कृष्णन ने किया। इसमें श्री टी० महालिंग अय्यर बी० ए०, बी० एल० और श्री एम० डी० रामनाथन ने श्री त्यागराज के जीवन और कृतित्व पर प्रकाश डाला।

बम्बई

बम्बई में निम्नलिखित स्थानीय संस्थाओं के सहयोग से समारोह हुए :—

1. श्री षण्मुखानन्द ललित कला और संगीत सभा।
2. भारतीय संगीत और कला सोसायटी।
3. श्री त्यागराज सभा।

महाराष्ट्र सरकार के प्रधान उत्सव अधिकारी श्री राजाराम हुमाणे ने समारोहों में सहयोग प्रदान किया। समारोहों के लिए महाराष्ट्र सरकार ने 1033 रुपये का अनुदान भी दिया।

15 सितम्बर, 1967 को महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री वी० पी० नायक ने समारोहों का उद्घाटन किया। दूसरे दिन के समारोहों की अध्यक्षता भूतपूर्व रेलमंत्री श्री

सदाशिव कान्होजी पाटिल ने की। 15 सितम्बर, 1967 को वीणा विद्वान् श्री एस० बालचन्दर ने भाषण और प्रदर्शन किया तथा 16 सितम्बर, 1967 को विद्वान श्री एस० कल्लिरमण (कण्ठ-संगीत), श्री एम० आर० गोपालकृष्णन (वायलन) और तिरुचि श्री शंकरन (मृदंगम) ने श्री त्यागराज की रचनाएं प्रस्तुत कीं।

तिरुवय्युरु

तिरुवय्युरु में 17 जनवरी, से 22 जनवरी 1968 तक आराधना समारोह हुए। भारत के उपराष्ट्रपति श्री वी० वी० गिरी ने इनका उद्घाटन किया। अकादेमी की महापरिषद् के कुछ सदस्य भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशिया रंगमंच संस्था

सलाहकार समिति

31 मई, 1967 को विद्यालय की सलाहकार समिति में निम्नलिखित सदस्य थे :—

श्री अशोक मित्र (अध्यक्ष)
कर्नल प्यारा लाल
श्री मोहन राकेश
श्री शम्भू मित्र
श्री जगदीश चन्द्र माथुर
श्री फ्रैंक ठाकुर दास
श्री जगत मुरारी
श्री आई० एल० दास
डा० सुरेश अवस्थी
श्री ई० अल्काजी

विद्यार्थियों का प्रादेशिक प्रतिनिधित्व

इस वर्ष शिक्षा सत्र के आरम्भ में कुल मिलाकर 14 विद्यार्थी थे। इनमें से 10 को विद्यालय की छात्रवृत्ति मिल रही थी। भारत सरकार, मैसूर राज्य अकादेमी

ग्रौर जम्मू-काश्मीर अकादेमी की ओर से एक-एक छात्र पढ़ रहा था तथा एक विद्यार्थी अपने खर्च पर पढ़ रहा था।

देश के विभिन्न राज्यों के विद्यार्थियों की संख्या इस प्रकार थी :—

आन्ध्र प्रदेश	2
असम	1
बंगाल	3
दिल्ली	2
जम्मू-काश्मीर	1
मध्यप्रदेश	1
महाराष्ट्र	3
मैसूर	1

नाट्य प्रदर्शन

इस वर्ष विद्यालय ने निम्नलिखित नाटक प्रदर्शित किये :—

1—भगवज्जुकीयम् (हिन्दी में) और लोक गीत तथा नृत्य विद्यालय के खुले रंगमंच पर। उपरोक्त नाटक के चार प्रदर्शन किये गये जिन्हें दर्शकों ने बहुत पसन्द किया।

ये प्रदर्शन स्वतंत्र भारत मिल, दिल्ली के चार हज़ार श्रमिकों के सम्मुख भी किये गये। इसके अतिरिक्त एक प्रदर्शन लाजपत भवन में हुआ। टेलीविजन पर भी यह नाटक दिखाया गया।

2—**तीन बहनें**

विद्यालय के प्रेक्षागृह में छह प्रदर्शन किये गये।

3—होरी (श्री प्रेमचन्द के गोदान का नाट्य रूप)

विद्यालय के खुले रंगमंच पर इस नाटक के दस प्रदर्शन किये गये। विद्यालय के विद्यार्थियों और अध्यापकों ने धूप और वर्षा की परवाह न कर निश्चित समय पर मुक्ताकाश रंगमंच तैयार करने में बहुत योग दिया।

27 अक्तूबर को होरी नाटक के उद्घाटन अवसर पर राष्ट्रपति डा० जाकिर हुसैन उपस्थित थे।

4—विद्यार्थियों की कृतियां

अन्तिम वर्ष में छात्रों ने अपनी परीक्षा के सिलसिले में जो नाटक प्रस्तुत किये उनका विवरण इस प्रकार है :—

1. जी० शंकर पिल्ले का "शरश्यान"
2. हेलन एल० मिलर का "दी शैडोज़" हिन्दी में
3. ब्रेख्ट का "दी ऐलिफेण्ट काफ" हिन्दी में।
4. बलराज पण्डित का "प्रस्तुत"
5. गिरीश करनाड का "आटे का मुर्गा"

इसके अतिरिक्त मवाना और बहसूमा (मेरठ, उत्तरप्रदेश) में ग्रामवासियों के समक्ष भी प्रदर्शन किये गये। इन दोनों प्रदर्शनों को चार-चार हज़ार लोगों ने देखा।

विचार गोष्ठी

'स्तानिस्लावस्की—एक मूल्यांकन'

यह विचार गोष्ठी 18, 19 और 20 नवम्बर को की गई और इसके दो उद्देश्य थे :—

1—भारत के लिए स्तानिस्लावस्की के महत्व और प्रभाव के बारे में विद्यार्थी स्वयं सूचनाएं एकत्र करें और अपने विचार बनायें।

2—विद्यार्थी अपने विचार प्रकट कर सकें।

इस विचार गोष्ठी में तीसरे वर्ष में अध्ययन करने वाले 10 विद्यार्थियों और रेपर्टरी कम्पनी के छह सदस्यों ने भाग लिया।

तीन दिन की इस विचार गोष्ठी की विभिन्न बैठकों का सभापतित्व श्री रमेश चन्द्र, डा० के० सी० खन्ना और मोहन राकेश ने किया।

भाषण और प्रदर्शन

विद्यालय में निम्नलिखित विषयों पर भाषणों और प्रदर्शनों की व्यवस्था की गई :—

1. योग और कलाएं डा० जी० एस० मैलकोटे के तीन भाषण ।
2. कबुकी रंगमंच श्री नकामुरा ।
3. शृंगार और प्रसाधन में तेजी से हो रहे परिवर्तन डा० चन्द्रशेखरन ।
4. उड़ीसा के लोक नर्तकों के एक सदस्य द्वारा ढोल बजाने का प्रदर्शन तथा प्राचीन बाजों का प्रदर्शन ।
5. 'भवाई' का इतिहास, विशेषताएं और वर्त्तमान स्थिति--कुमारी सुधा देसाई का भाषण ।

विद्यालय के भूतपूर्व विद्यार्थियों के समचार

श्रीमती मीना पेठे का दुखद परिस्थितियों में अगस्त 1967 में देहान्त हो गया । वे 1965 में इस विद्यालय की स्नातिका बनी थीं ।

श्री वी० राममूर्त्ति को हवाई के ईस्ट वैस्ट सैण्टर ने टैक्नीकल ट्रेनिंग कोर्स के लिए नौ महीने की छात्रवृत्ति दी है । श्री राममूर्त्ति 1963 में विद्यालय के स्नातक बने थे ।

श्री एस० सिधु नाट्यशास्त्र के उच्च अध्ययन के लिए अमरीका के कार्नेल विश्वविद्यालय चले गये हैं ।

श्री मोहन महर्षि ने पूर्व जर्मन सरकार के निमंत्रण पर अक्तूबर 1967 में पूर्व बर्लिन रंगमंच समारोह में भाग लिया । वे 1965 में स्नातक बने थे ।

श्री बी० एल० चोपड़ा, श्री जे० एन० कौशल, श्री एम० डी० कोथिवां और श्री गोबिन्द प्रसाद संगीत और नाटक डिवीज़न में मण्डली-प्रबन्धक के पद पर काम कर रहे हैं और कुमारी आशा आदरकर स्टाफ आर्टिस्ट के रूप में चुन ली गई हैं ।

श्री कृष्ण द्विवेदी पंजाबी विश्वविद्यालय पटियाला के भाषण और नाटक विभाग में नाटक-प्रशिक्षक के पद पर नियुक्त हैं । वे 1967 में स्नातक बने थे ।

दक्षिण भारत के मन्दिरों में रंगमंच स्थापत्य का सर्वेक्षण ।

विद्यालय के दो अध्यापकों श्री जी० पांचाल और श्री देव महापात्र ने 6-10-67 से लगभग तीन सप्ताह तक दक्षिण भारत के मन्दिरों में रंगमंच स्थापत्य का सर्वेक्षण किया । वे अपने साथ इस प्रकार के स्थापत्य की ओर इनमें प्रस्तुत नाटकों के रेखा चित्र, फोटो और रंगीन-स्लाइट लाये ।

इस विषय पर एक पुस्तिका तैयार की जा रही है। इस बारे में प्रदर्शनी और सार्वजनिक भाषण जल्दी ही आयोजित किये जायेंगे।

पूर्व बर्लिन की ब्रेख्ट विचारगोष्ठी १९६८ में भाग लेने के लिए निदेशक को निमंत्रण

फरवरी 1968 में विद्यालय के निदेशक ने बर्लिनेर ऐन्सेम्बल का निमंत्रण मिलने पर 'ब्रेख्ट विचार गोष्ठी 1968' में भाग लिया।

दीक्षान्त और पुरस्कार तथा उपाधि दान

1966 और 1967 में जो विद्यार्थी इस विद्यालय से स्नातक हुए थे उन्हें पुरस्कार तथा उपाधि प्रदान करने के लिए 12 अप्रैल, 1968 को विद्यालय में दीक्षान्त समारोह का आयोजन किया गया।

श्रीमती कमला देवी चट्टोपाध्याय ने दीक्षान्त भाषण दिया तथा उपाधियां और पुरस्कार भी प्रदान किये।

उपाधियां और पुरस्कार प्राप्त करने वालों के नाम इस प्रकार हैं :—

1966 वर्ष के स्नातक

1. श्री हरजीत	विद्यालय का नाट्यशास्त्र पाठ्यक्रम
2. श्रीमती वीणा खन्ना	अभिनय पाठ्यक्रम
3. श्री ओ० पी० कोहली	निर्माता पाठ्यक्रम
4. कुमारी मोहिनी रैना	निर्माता पाठ्यक्रम
5. श्री डी० सी० राय	निर्माता पाठ्यक्रम
6. कुमारी प्रमीला सचदेव	अभिनय पाठ्यक्रम
7. श्री वी० के० शर्मा	अभिनय पाठ्यक्रम
8. श्री सुरिन्दर सिधु	निर्माता पाठ्यक्रम—सर्वोत्तम निर्माता गिरीश घोष पुरस्कार प्रदान किया गया (150 रु० की पुस्तकें)
9. श्री के० एम० सोनटक्के	निर्माता पुरस्कार—सर्वोत्तम विद्यार्थी भारत-पुरस्कार प्रदान किया गया (200 रु० की पुस्तकें)

1967 वर्ष के स्नातक

1. कुमारी आशा आदरकर	अभिनय पाठ्यक्रम
2. श्री बी० एल० चोपड़ा	अभिनय पाठ्यक्रम—सर्वोत्तम अभिनेता किर्लोस्कर पुरस्कार प्रदान किया गया (153 रु० की पुस्तकें)
3. श्री कृष्ण द्विवेदी	निर्माता पाठ्यक्रम
4. श्री गोबिन्द प्रसाद	अभिनय पाठ्यक्रम
5. श्री एस० रामानुजन	विद्यालय का नाठ्यशास्त्र पाठ्यक्रम
6. श्रीमती उषा जी० साठे	अभिनय पाठ्यक्रम
7. श्री राजेश शर्मा	अभिनय पाठ्यक्रम
8. कुमारी रक्षा शाफ़	अभिनय पाठ्यक्रम
9. श्री जी० वी० ठाकर	निर्माता पाठ्यक्रम
10. श्री जी. के. वर्मा	निर्माता पाठ्यक्रम (क) सर्वोत्तम विद्यार्थी भारत पुरस्कार प्रदान **किया गया** (200 रु० की पुस्तकें) (ख) सर्वोत्तम निर्माता गिरीश घोष पुरस्कार प्रदान किया गया (150 रु० की पुस्तकें)

अन्तिम उपाधि परीक्षा का परिणाम 1968

1968 की अन्तिम उपाधि परीक्षा में 10 विद्यार्थी बैठे। इसमें से 9 उत्तीर्ण हुए। तीन विद्यार्थियों ने निर्माता, पांच ने अभिनय और एक विद्यार्थी ने विद्यालय नाट्य-शास्त्र पाठ्यक्रम में विशेष योग्यता प्राप्त की।

कुमारी अमल अलकाज़ी निर्माता पाठ्यक्रम में विशेष योग्यता के साथ उत्तीर्ण हुई। वे सर्वश्रेष्ठ निर्मात्री और सर्वश्रेष्ठ छात्रा घोषित की गईं।

कत्थक केन्द्र

सलाहकार समिति

31 मार्च, 1968 को कत्थक केन्द्र की सलाहकार समिति के निम्मलिखित सदस्य थे :—

श्री० वी० शंकर	अध्यक्ष
श्रीमती सुमित्रा चरतराम	संयोजिका
श्री हंस राज गुप्ता	सदस्य
श्री महेश्वर दयाल	,,
श्री राजबंस बहादुर	,,
श्रीमती एन० रिपजीत सिंह	,,
श्री मोहन खोकर	,,
श्री रामप्रकाश	,,
श्री के० एस० कोठारी	निदेशक-अधिकारी

विद्यार्थी संख्या

31-3-68 को विभिन्न कलाओं में पढ़ने वाले विद्यार्थियों की कुल संख्या 37 थी जो पिछले साल की संख्या से कहीं अधिक है। पिछले साल केवल 27 विद्यार्थी थे। विद्यार्थियों का वर्गीकरण निम्नलिखित ढंग से था :—

कत्थक केन्द्र की छात्रवृत्ति पर (प्रथम, द्वितीय और तृतीय वर्ष में)	9
कत्थक केन्द्र की निःशुल्क छात्रवृत्ति पर (3 नृत्य में और 2 संगीत में)	5
भारत सरकार की छात्रवृति पर (2 नृत्य में और 1 संगीत में)	3
केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय की अन्य छात्रवृति योजनाओं पर (विदेशियों के लिये)	1
विश्वभारती विश्वभारतीय विश्वद्यिालय की छात्रवृति पर	1
अंशकालिक नृत्य छात्र	9
अंशकालिक संगीत छात्र	2
अवर श्रेणी	7

कत्थक केन्द्र में विदेशी छात्रों का ब्यौरा इस प्रकार है :—

अमरीका से नृत्य सीखने के लिये	1
दक्षिण अमरीका से नृत्य सीखने के लिये	1
कैनेडा से नृत्य सीखने के लिये	1
नेपाल से नृत्य सीखने के लिये	1

अध्यापक

श्री शम्भू महाराज, श्री सुन्दर प्रसाद और श्री बिरजू महाराज की देख-रेख में नृत्य का प्रशिक्षण होता है। श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी संगीत प्रशिक्षण की देखरेख और श्री पुरुषोत्तम दास पखावज-वादन के प्रशिक्षण का निरीक्षण करते हैं। उपाधि पाठ्यक्रम पूरा करने वाले छात्रों का पहला दल मई 1968 तक अपना प्रशिक्षण समाप्त कर लेगा।

नृत्य टोली : प्रदर्शन और भ्रमण

कत्थक केन्द्र की नृत्य टोली में छह स्त्री-पुरुष नर्तक और तीन संगीतज्ञ हैं। इस टोली के निदेशक श्री बिरजू महाराज हैं। कत्थक शैली के परीक्षणात्मक-प्रयोगों के प्रदर्शन के लिए यह टोली विद्यालय के साथ स्थायी रूप से सम्बद्ध है।

अगस्त-सितम्बर 1967 में नृत्य टोली ने नई दिल्ली के फाइन आर्ट्स थियेटर में 'कृष्णायन' के छह प्रदर्शन किये। इस टोली ने विभिन्न अवसरों पर दिल्ली और बाहर 15 प्रदर्शन किये। इनमें से कुछ महत्वपूर्ण अवसरों का ब्योरा इस प्रकार है :—

सोवियत संघ के प्रधान मंत्री श्री ए० एन० कसीगिन का नागरिक अभिनन्दन
राज्य विधान सभाओं के अध्यक्षों का सम्मेलन
राष्ट्रपति भवन में सिक्किम के महामहिम चोग्याल और ग्यालमो का अभिनन्दन
मारिशस के प्रधान मंत्री परम श्रेष्ठ आदरणीय श्री एस० रामगुलाम का स्वागत
राज्यसभा की सदस्यता से अवकाश ग्रहण करने वाले सदस्यों को विदाई
चण्डीगढ़, शिमला, हैदराबाद और जम्मू में भी इस टोली ने अलग-अलग अवसरों पर पांच प्रदर्शन किये।

1967-68 के वर्ष में इस प्रकार के प्रदर्शनों से कुल आय लगभग 18 हजार रुपए की हुई।

श्री शम्भू महाराज को रत्न सदस्यता

कत्थक केन्द्र के प्रशिक्षकों में वरिष्ठ सदस्य श्री शम्भू महाराज संगीत नाटक अकादेमी के रत्न सदस्य निर्वाचित हुए।

जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी

मणिपुरी नृत्य की प्रामाणिक शिक्षा देने के लिए केन्द्रीय संस्था की आधार स्वरूप जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल में स्थापित की गई। संगीत नाटक अकादेमी के अधीन स्थानीय सलाहकार समिति इस प्रकार के प्रबन्ध की देखरेख करती है।

सलाहकार समिति

श्री बालेश्वर प्रसाद—चीफ़ कमिश्नर	—	अध्यक्ष
डा० सुरेश अवस्थी, सचिव, संगीत नाटक अकादेमी	—	उपाध्यक्ष
श्री एच० रणवीर सिंह, शिक्षा सचिव, मणिपुर सरकार (पदेन सचिव)	—	सदस्य
श्री द्विजमणि देव शर्मा	—	सदस्य
श्रीमती एम० के० विनोदिनी देवी	—	सदस्य
गुरु अमुबी सिंह	—	सदस्य
पण्डित एम० चन्द्र सिंह	—	सदस्य
श्री आर० के० प्रियगोपाल सिंह	—	सदस्य

अध्यापक और विद्यार्थी

मणिपुर नृत्य अकादेमी में 1967-68 के वर्ष में 15 अध्यापक और 90 विद्यार्थी थे। पाठविधि के सात विभाग इस प्रकार हैं :—

1. अनुसन्धान विभाग
2. रस विभाग
3. पुंग (मृदंग) विभाग
4. नट चालम् विभाग
5. मणिपुर गीत विभाग
6. आदिवासी नृत्य विभाग
7. लोक नृत्य और सामुदायिक नृत्य विभाग

प्रत्येक विभाग का अध्यक्ष एक वरिष्ठ गुरु है और उसकी सहायता के लिये एक अध्यापक नियुक्त है। विभिन्न कक्षाओं में विद्यार्थी-संख्या इस प्रकार है :—

प्रथम वर्ष	—	40
द्वितीय वर्ष	—	11
तृतीय वर्ष	—	12
चतुर्थ वर्ष	—	13
पंचम वर्ष	—	9
षष्ट वर्ष	—	5
	कुल योग	90

परीक्षा परिणाम

1967-68 के वर्ष में विभिन्न श्रेणियों की परीक्षाओं में बैठने वाले विद्यार्थियों की संख्या निम्नलिखित है :—

	परीक्षा देने वालों की संख्या	उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या
प्रथम वर्ष	23	4
द्वितीय वर्ष	6	1
तृतीय वर्ष	11	3
चतुर्थ वर्ष	10	4
पंचम वर्ष	6	—
षष्ठ वर्ष	3	1
कुल योग	61	13

भ्रमण और प्रदर्शन

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की अन्तरराज्य सांस्कृतिक दल आदान-प्रदान योजना के अधीन 1967-68 के अन्तिम दिनों में मणिपुर नृत्य अकादेमी के शिक्षकों और विद्यार्थियों का दल महाराष्ट्र और गोआ की यात्रा पर गया। इस दल में 30 सदस्य थे। इस दल की हार्दिक सराहना हुई। इस वर्ष में कोई भाषण-प्रदर्शन नहीं हुआ।

इसके ग्रतिरिक्त मणिपुर ग्राने वाले महानुभावों के स्वागतार्थ मणिपुर नृत्य ग्रकादेमी ने ग्रनेक प्रदर्शनों का ग्रायोजन किया ।

ग्रनुसन्धान योजना

ग्रनुसन्धान योजना के ग्रधीन प्राचीन मणिपुरी भाषा में पुस्तक "ऊवक लाठ ग्रौर लीथक लीखारों" ग्राधुनिक मणिपुरी भाषा में तैयार की जा चुकी है ग्रौर प्रकाशन के लिए तैयार है । इस पुस्तक में ग्रन्य विषयों के ग्रतिरिक्त नृत्य का भी समावेश है ।

हिसाब-किताब

भारत सरकार इस ग्रकादेमी के लिये ग्रनुदान देती है । 31 मार्च 1968 को समाप्त होने वाले वर्ष का ग्राय-व्यय लेखा परिशिष्ट संख्या 5 ग्रौर 5 (क) में है ।

परिशिष्ट 1

31-3-68 को महासमिति के सदस्य

अध्यक्ष

1. श्रीमती इन्दिरा गान्धी,
   प्रधान मंत्री, भारत सरकार,
   1, सफदरजंग रोड, नई दिल्ली

उपाध्यक्ष

2. श्री के० पी० एस० मेनन,
   जे-19, हौज़ खास, नई दिल्ली
   (पलट हाऊस, ओट्टपलम, केरल)

वित्तीय सलाहकार

3. श्री एम० एस० सुन्द्रा०,
   संयुक्त सचिव, वित्त मंत्रालय (व्यय-विभाग), भारत सरकार,
   नई दिल्ली

शिक्षा मंत्रालय के प्रतिनिधि

4. श्री भागवत झा आज़ाद,
   राज्यमंत्री, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
   7. अशोक रोड़, नई दिल्ली

सूचना प्रसारण मंत्रालय के प्रतिनिधि

5. श्री अशोक मित्र,
   सचिव, सूचना और प्रसारण मंत्रालय,
   भारत सरकार, नई दिल्ली

भारत सरकार द्वारा नामज़द

6. डा० वी० के० नारायण मेनन,
   महानिदेशक, आकाशवाणी,
   पार्लियामेण्ट स्ट्रीट, नई दिल्ली
7. श्री ए० के० चन्दा,
   54-ई, सुजान सिंह पार्क, नई दिल्ली
8. डा० वी० एस० झा०,
   डी-358, डिफेन्स कालोनी,
   नई दिल्ली
9. श्री बलराज साहनी,
   टर्नर रायल लेन, जुहू, बम्बई-54

राज्य सरकारों द्वारा नामज़द

आन्ध्रप्रदेश

10. श्री पी० सूर्यचन्द्र राव,
    प्रधान, आन्ध्रप्रदेश संगीत
    नाटक अकादेमी,
    केला भवन, सैफाबाद, हैदराबाद

असम

11. श्री परागधर चालिहा,
    प्रधान सचिव, असम संगीत
    नाटक अकादेमी,
    शिव सागर, असम

बिहार

12. श्री रामधारी सिंह दिनकर,
5 सफदरजंग लेन,
नई दिल्ली

गुजरात

13. श्री सी० सी० मेहता,
मनुभाई मेहता हाल,
युनिवर्सिटी हास्टल्स, बड़ौदा-2

केरल

14. श्री सी० आई० परमेश्वरन पिल्लै,
एडवोकेट, वांचीयूर,
तिरुअनन्ततुरम्-1

मध्यप्रदेश

15. श्री प्रेमचन्द कश्यप, उपाध्यक्ष,
मध्यप्रदेश कला परिषद, ग्वालियर

मद्रास

16. श्री एम० डी० सुन्दरम्, सचिव,
मद्रास राज्य संगीत नाटक संगम,
ब्रोडी कैसल, ग्रीनवेज़ रोड,
मद्रास-26

महाराष्ट्र

17. श्री के० नारायण काले,
मनीशा,
34/7, ऐराण्डा वेन, कचारे वाडी,
दक्षिण जीमखाना, पूना-4

मैसूर

18. श्री एस० वी० जेवूर,
डाइरेक्टर आफ पब्लिक इन्स्ट्रक्शन,
मैसूर सरकार, बंगलौर

उड़ीसा

19. श्री धीरेन्द्रनाथ पटनायक, सहायक सचिव, उड़ीसा संगीत नाटक अकादेमी, म्यूजेयम बिल्डिंग्स, भुवनेश्वर-1

पंजाब

20. श्री बलवन्त गार्गी, प्रोफेसर
आफ इण्डियन थियेटर, पंजाब
विश्वविद्यालय, चण्डीगढ़-14

राजस्थान

21. श्री देवी लाल सामर, अध्यक्ष,
राजस्थान संगीत नाटक अकादेमी,
पाओटा, जोधपुर

उत्तरप्रदेश

22. श्री लक्ष्मीकान्त नागर, आई० ए० एस., निदेशक, संस्कृति विभाग,
लखनऊ, उत्तरप्रदेश

पश्चिम बंगाल

23. श्री उत्पल दत्त,
'कल्लोल'
140/24 नेताजी सुभाष रोड,
कलकत्ता-40

जम्मू और कश्मीर

24. श्री एन० डी० शर्मा,
सचिव, जम्मू कश्मीर कला,
संस्कृति और भाषा अकादेमी,
लाल मण्डी, श्रीनगर

साहित्य अकादेमी के प्रतिनिधि

25. श्री अनन्त काणेकर,
    शान्ति कुंज,
    पांचवीं गली, हिन्दू कालोनी,
    दादर, बम्बई-14

26. श्री कृष्ण कृपलानी,
    सचिव,
    साहित्य अकादेमी,
    नई दिल्ली-1

ललित कला अकादेमी के प्रतिनिधि

27. श्री एस० एन० स्वामी,
    'दिलकश काटेज', बसन्त महल रोड,
    नरज़र-बाद, मैसूर-1

28. श्री ब्रि० मी० सान्याल,
    सचिव,
    ललित कला अकादेमी,
    नई दिल्ली-1

अकादेमी के नियमों और उपनियमों के नियम 4 (8) के अधीन निर्वाचित सदस्य

29. श्री एस० पिनाकपाणि,
    प्रो० आफ मैडिसन, करनूल
    मैडिकल कालिज, गवर्नमैण्ट
    जनरल हास्पिटल, कुरनूल

30. श्री कोमल कोठारी
    'रुपायण' संस्थान, ग्राम बोरुण्डा
    वाया पीपर, जोधपुर

31. प्रो० के० एस० नारायण स्वामी,
    प्रो० आफ वीणा, श्री स्वाति
    तिरुनाल संगीत महाविद्यालय,
    तिरुअनन्तपुरम्

32. श्री डी० टी० जोशी
    'संगीत भवन', विश्व भारती,
    शान्ति-निकेतन,
    बोलपुर (पं० बंगाल)

33. श्री अमीर खां,
    'वसन्त' पेद्दार रोड, बम्बई-26

34. श्रीमती मृणालिनी साराभाई
    'दर्पण',
    चिदम्बरम, अहमदाबाद

35. श्री धर्मवीर भारती,
    सम्पादक 'धर्मयुग',
    टाइम्स आफ इंडिया बिल्डिंग,
    बम्बई-1

36. श्री पी० एल० देशपाण्डे,
    15-बी, सरोजिनी नायडू रोड,
    सान्ताक्रूज वैस्ट, बम्बई-54

37. श्री बिरजू महाराज,
    भारतीय कला केन्द्र,
    2 माता सुन्दरी रोड,
    नई दिल्ली

38. श्री एस० एन० मजूमदार,
    ए-60, कैलाश कालोनी,
    नई दिल्ली-14

39. श्री जगदीशचन्द्र माथुर,
    4-लिटन लेन, नई दिल्ली

40. श्री राजकुमार प्रियगोपाल साना,
    थंगमीबन्द सेनापतिकोल्लुप
    डाकघर-इम्फाल (मणिपुर)

अकादेमी के नियमों और उपनियमों के नियम 4 (9) के अधीन निर्वाचित सदस्य

41. प्रो० एस० श्रीनिवास राव,
    आचार्य, केन्द्रीय कर्नाटक संगीत महाविद्यालय, ब्रौडीकैसल, 19, ग्रीनवेज रोड, मद्रास-14

42. डा० वी० राघवन,
    7, श्रीकृष्णपुरम स्ट्रीट,
    रायापेट्टाह, मद्रास-14

43. श्री स्वामी प्रज्ञानानन्द
    रामकृष्ण वेदान्तमठ
    19-बी, राजा राजकृष्ण स्ट्रीट,
    कलकत्ता-6

44. डा० के० सी० देव बृहस्पति
    13, वल्लभभाई पटेल हाऊस,
    नई दिल्ली-1

45. श्री शम्भू मित्र,
    बहुरूपी,
    11-ए नसीरुद्दीन रोड, कलकत्ता

46. श्री आद्य रंगाचार्य,
    381, विमल विहार, मेन रोड़
    मल्लेश्वरम, बंगलौर-3

47. श्रीमति टी० बालसरस्वती
    16, रामनाथन चेट्टियार रोड
    अलगप्पा नगर,
    क्लिपौक, मद्रास-10

48. डा० के० एन० पिशरोती
    शोरानूर रोढ़, त्रिचूर-1

परिशिष्ट—2

संगीत नाटक अकादेमी के रत्न-सदस्य

1. श्री अलाउद्दीन खां
2. श्री हाफीज़ अली खां
3. श्री पृथ्वी राज कपूर
4. श्रीमती अंजनी बाई मालपेकर
5. श्री अरियकुडि रामानुज अय्यंगार (स्वर्गीग)
6. श्री पापनासम आर० शिवन
7. श्री डी० अन्नास्वामी भागवतार (स्वर्गीय)
8. श्री उदय शंकर
9. श्री श्रीकृष्ण नारायण रतनजंकर
10. श्री प्रो० पी० साम्बमूर्त्ति
11. स्वामी प्रज्ञानानन्द
12. श्री टी० एल० वेंकटराम अय्यर
13. श्री वीरेन्द्र किशोर राय चौधरी
14. प्रो० बी० आर० देवधर
15. श्रीमती सी० सरस्वती बाई
16. डा० वी० राघवन
17. डा० पी० वी० राजमन्नार
18. श्री दिलीपकुमार राय
19. डा० डी० जी० व्यास (स्वर्गीय)
20. ठाकुर जयदेव सिंह
21. पण्डित विनायक राव पटवर्धन
22. श्री जय चामराज वडियार
23. श्री ई० कृष्ण अय्यर (स्वर्गीय)
24. श्री शम्भू मित्र
25. डा० आशुतोष भट्टाचार्य
26. श्री आद्य रंगाचार्य
27. श्री ई० अलकाज़ी

28. बड़े गुलाम अली खां
29. गुरु पी० के० कुंजु कुरुप
30. श्री मुसिरी सुब्रमण्य अय्यर
31. श्रीमती रुक्मिणी देवी अरुण्डेल
32. श्री शम्भू महाराज
33. श्री वेदान्तम सत्यनारायण शर्मा

पुरस्कार विजेता

हिन्दुस्तानी संगीत

कण्ठ संगीत

श्री मुश्ताक हुसैन खां (स्वर्गीय)
श्रीमती केसर बाई केरकर
श्री रजब अली खां (स्वर्गीय)
श्री अनन्त मनोहर जोशी
श्री राजा भैय्या पुंछवाले (स्वर्गीय)
श्रीमती रसूलन बाई
श्री गणेश रामचन्द्र बेहरे
श्री कृष्णराव शंकर पंडित
श्री अलताफ़ हुसैन खां (स्वर्गीय)
श्री वाई० एस० मिराशी बुवा (स्वर्गीय)
श्री बड़े गुलाम अली खां
श्री ओंकार नाथ ठाकुर (स्वर्गीय)
श्री रहमुद्दीन खां डागर
श्रीमती हीराबाई बड़ौदेकर
श्रीमती सिद्धेश्वरी देवी
श्री अमीर खां

वाद्य संगीत

श्री हफ़ीज़ अली खां
श्री अहमद जान थिरकवा

श्री गोविन्द राव बुरहानपुरकर (स्वर्गीय)
श्री बिस्मिल्लाह खां
श्री जहांगीर खां
श्री वहीद खां (स्वर्गीय)
श्री कण्ठे महाराज
श्री रवि शंकर
श्री अली अकबर खां
पण्डित सखाराव नावड़े
श्री शकूर खां
श्री अयोध्या प्रशाद

कर्नाटक संगीत

कण्ठ संगीत

अरयकुडि श्री रामानुज अय्यार (स्वर्गीय)
सेम्मनगुडी श्री आर० श्रीनिवास अय्यर
मैसूर श्री के० वासुदेवाचार्य (स्वर्गीय)
महाराजपुरम श्री विश्वनाथ अय्यर
श्रीमती एम० एस० सुब्बलक्ष्मी
मुसिरी श्री सुब्रमण्य अय्यर
चेम्बई श्री वैद्यनाथ भागवतार
गुण्डलूर श्री एन० बालसुब्रमण्यम (स्वर्गीय)
मुदुरै श्री मणि अय्यर
मुडिकोण्डन श्री सी० वेंकटराम अय्यर
श्रीमती डी० के० पट्टम्माल
श्री बी० देवेन्द्रप्पा
चित्तूर श्री० एस सुब्रमण्य
श्रीमती टी० वृन्दा
मदुरै श्री श्रीरंगम अय्यंगर
श्री सी० वेंकट राव

वाद्य संगीत

करईकुडि श्री साम्बशिव अय्यर (स्वर्गीय)
द्वारम श्री वेंकटस्वामी नायडू (स्वर्गीय)
पल्लदम श्री संजीव राव (स्वर्गीय)
श्री टी० राजरत्नम पिल्ले (स्वर्गीय)
श्री टी० एस० पालघाट मणि अय्यर
श्री टी० चौदियाह
बुडलूर श्री कृष्णमूर्ति शास्त्री
कुम्भकोपम श्री राजमणिक्कम पिल्लै
श्री शेरमादेवी एल० सुब्रमण्य शास्त्री
श्री टी० एन० स्वामीनाथ पिल्लै (स्वर्गीय)
तिरुविजीमाज़लाई श्री एस० सुब्रमण्य पिल्ले
श्री टी० के० जयराम अय्यर
श्री के० एन० चिन्नस्वामी अय्यर
श्री टी० आर० महालिंगम्
श्री पी० एस० बीरूस्वामी पिल्लै
श्री के० एस० वैंकटरामैय्याह "पापा"

नृत्य

भारतनाट्यम्

श्रीमती टी० बालसरस्वती
श्रीमती रुक्मिणी देवी
श्रीमती मिलापुर गौरी अम्मा
श्रीमती आर० मुथुरत्नम्बाल (स्वर्गीय)
श्रीमती वेंकटलक्षम्मा
श्रीमती स्वर्ण सरस्वती

कत्थक

श्री शम्भू महाराज
श्री बैजनाथ प्रसाद
श्री सुन्दर प्रसाद

श्री मोहन राव कल्यानपुरकर
श्री बिरजू महाराज

कथकली

गुरु कुंजू कुरुप
श्री थोट्टन के० चण्डू मणिक्कर
श्री थेकिनकट्टिल रमुन्नी नय्यर
श्री चेंगान्नूर रमणपिल्लै
गुरु गोपीनाथ
श्री कलामण्डलम कृष्णन नय्यर

मणिपुर

गुरुन-अमुबी सिंह
श्री हाओहम अतम्बा सिंह
श्री टखेलचंबर्म अमुडम शर्मा
श्री अतम बापू शर्मा (स्वर्गीय)
गुरु बिपिन सिंह

शास्त्रीय नृत्य के प्रशिक्षक

पी० चोक्कलिंगम् पिल्लै (स्वर्गीय) (भरत नाट्यम्)
वी० बी० रामैय्या पिल्लै (भरत नाट्यम)

कुचिपुडि	श्री वेदान्तम् सत्य नारायण शर्मा
ओडिसी	श्री केलूचरन महापात्र
चकियार कूथू	श्री पी० मणि माधव चकियार
यक्षगण	श्री हरादि रामा गणिगा
नृत्य की अन्य शैलियाँ	श्री उदयशंकर (सर्जनात्मक नृत्य)
	श्री बापू राव खुडे नारायण गोयनकर (तमाशा)
	श्री मणिराम दत मोख्तार (सत्तरिया)
	श्री सुधेन्द्र नारायण सिंह देव (छाऊ)
	श्री बालू भागवतार (भगवतमेला)

नाटक

अभिनय	श्री गुब्बी विराना
	श्री बाल गंधर्व
	श्री गणपतराव बोदस
	श्री चिंतामणराव कोलहटकर (स्वर्गीय)
	श्री अहिन्द्र चौधरी मुदालियर
	श्री पम्मल सम्बंध मुदालियर (स्वर्गीय)
	श्री अशरफ खां (स्वर्गीय)
	श्री सी० आई० परमेश्वरन पिल्लै
	श्री गोपाल गोविंद पाठक
	श्री संतानम नरसिंह राव
	श्री मित्रदेव महंत अधिकार
	श्री मैसूर वेंकटप्पा सब्रमण्य नायडू (स्वर्गीय)
	श्री सेमुयल साह
	श्रीमती तृप्ति मित्रा
	श्री टीं० के० शंभुगम
	श्री बंदा कनकलिंगेश्वर राव
	श्रीमती ज़ोहरा सहगल
	श्रीमती के० टी० दाते
	श्री अरविंदाक्ष मेनन
	श्री कृष्णचन्द्र मोरेश्वर
	श्री नायक मूलजी भाई खुशालभाई
	श्री सविता ब्रत दत्त
	श्री एस० वी० सहस्त्रनामम्
प्रस्तुतीकरण और निर्देशन	श्री पृथ्वीराज कपूर
	श्री जयशंकर सुन्दारी
	श्री शंभू मित्रा
	श्री कासम भाई नाथूभाई मीर
	श्री इब्राहिम अल्काज़ी
	श्री टी० एस० राजमणिक्कम्
नाट्य-लेखन	श्री भार्गवराम विथ्थलमामा वरेरकर (स्वर्गीय)

श्री प्रभूलाल दयाराम द्विवेदी (स्वर्गीय)
श्री आद्य रंगाचार्य 'श्री रंग'
श्री उपेन्द्रनाथ अश्क
श्री पी० एल० देशपाण्डे
श्री कृष्ण पहलवान (नौटंकी)

फिल्म (चल-चित्र)

निर्देशन	श्री देवकी बोस
	श्री सत्यजित राय
पटकथा	श्री गजानन डी० मडगुलकर
	श्री मुखराम शर्मा
अभिनय	श्रीमती दुर्गा खोटे
	श्री अशोक कुमार गाँगुली
	श्री छबि विश्वास (स्वर्गीय)
	श्रीमती ललिता पवार
संगीत निर्देशन	श्री सचिन देव वर्मन
गीतकार	श्री रामचन्द्र द्विवेदी 'प्रदीप'

पुरस्कार

नाटक	श्री मोहन राकेश (हिन्दी)
	श्री टी० एन० विश्वनाथन् (तामिल)
	श्री शिवकुमार जोशी (गुजराती)
	श्री वसन्त काणेकर (मराठी)
	श्री अमनचार्ला गोपालराव (तेलगू)
	श्री उत्पल दत्त (बंगला)
	श्रीमती लीला मजुमदार (बाल-नाटक)
नाट्य प्रस्तुतीकरण	अनामिका, कलकत्ता (हिन्दी)
	रूपकार— कलकत्ता (बंगला)
	मणिमेला-महाकेन्द्र — -कलकत्ता (बाल-नाटक)

परिशिष्ट—3

1967-68 में संस्थाओं के लिए अनुदान स्वीकृत

संस्था का नाम	अनुदान की राशि	उद्देश्य
आंध्रप्रदेश		
आन्ध्रप्रदेश नाट्य संगम, हैदराबाद	5,000	नाट्य शास्त्र में प्रशिक्षण के लिए
कलाक्षेत्रम्, ऐलूरु	5,000	प्रशिक्षकों के वेतन तथा छात्र-वृत्तियों के लिए
श्री सिद्धेन्द्र कलाक्षेत्रम्	15,000	प्रशिक्षकों के वेतन तथा छात्र-वृतियों के लिए
बिहार		
चेतन समिति, पटना	3,000	मैथिली के विद्वानों, संगीताचार्यों और तबला वादकों के वेतन के लिए
दिल्ली		
भारतीय कला केन्द्र	10,000	संगीत महाविद्यालय के लिए (प्रशिक्षकों के वेतन)
भारतीय नाट्य संघ	25,000	12,500) नाट्य संघ के लिए तथा 12, 500) नृत्य-लेखन संस्थान के प्रशिक्षकों के वेतन के रूप में
(दिल्ली आर्ट, थियेटर)	25,000	पंजाबी गीतिनाट्य और गीत के साथ नाटकों के प्रेस्तुतीकरण के वास्ते
दिल्ली चिलडरेन्स लिट्ल थियेटर	7,000	नृत्य-लेखकों के वेतन के रूप में
दिल्ली नाट्य संघ	800	विश्व रंग-मंच दिवस के लिए

गंधर्व महाविद्यालय	4,000	निदेशक, प्रशिक्षक और यन्त्र-वादकों के वेतन के वास्ते
इंटरनेशनल सेंटर फॉर कत्थकली	10,000	कत्थकली की शिक्षा तथा नवीन नाट्य प्रदर्शन के लिए
	2,000	'नलचरित' के हिन्दी में प्रस्तुतीकरण के वास्ते
लिट्ल थियेटर ग्रुप	8,000	उपस्कर के लिए
त्रिवेणी कला-संगम	15,000	मणिपुरी शैली में नवीन नृत्य-नाटक तैयार करने के लिए तथा भरत नाट्यम में प्रशिक्षण के लिए
यात्रिक, नयी दिल्ली	15,000	अभिनेताओं के वेतन के लिए

गुजरात

दर्पण, अहमदाबाद	25,000	गुरुओं के वेतन तथा वजीफों के लिए

केरल

गाँधी सेवा सदन कत्थकली एण्ड क्लासिक आर्ट अकादेमी, पालघाट	5,000	कत्थकली में विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए
कला निलयम थियेटर	5,000	आग से विनष्ट उपस्कर और प्रकाश संबंधी साज-सामान की खरीद के लिए
समस्त केरल कत्थकली सोसाइटी	1,500	प्रशिक्षकों के वेतन के लिए
उन्नई वारियर स्मारक कला निलयम	3,000	प्रशिक्षकों के वेतन के लिए
विश्व कला केन्द्र	3,000	कत्थकली में विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए

मध्य प्रदेश

रंगश्री लिट्ल बेले ट्रुप, गवलियर	25,000	नर्तकों के वेतन के लिए

शंकर गंधर्व महाविद्यालय ग्वालियर	2,500	संगीत में विशिष्ट शिक्षा के लिए

मद्रास

बालासरस्वती का शास्त्रीय भरत नाट्य स्कूल	4,000	भरतनाट्यम में विशिष्ट प्रशिक्षण के लिए
कला-क्षेत्र, मद्रास	50,000	वेतन और वज़ीफे
मद्रास नाट्य संघ	10,000	नाट्य शास्त्र में प्रशिक्षण के वास्ते
म्यूजिक अकादेमी, मद्रास	2,400	अकादेमी के संगीत महाविद्यालय में पुराने संगीतज्ञों के लिए
श्री त्यागराज ब्रह्म महोत्सव सभा (पर इस संस्था को यह अनुदान नहीं दिया जा सका क्योंकि संस्था ने अपने हिसाब-किताब का लेखा-परीक्षित खाता कार्यालय में नहीं भेजा)	3,000	बजट के घाटे को पूरा करने के लिए (इस अनुदान की सीमा नियमानुसार अधिक से अधिक 3,000 है)

महाराष्ट्र

अरुण संगीतालय, बम्बई	2,000	तबला वादन में उच्च प्रशिक्षण के लिए
अखिल भारतीय गंधर्व महाविद्यालय मंडल	2,000	अखिल भारतीय संगीत प्रशिक्षकों का सम्मेलन आयोजित करने के लिए
खां साहिब अब्दुल करीम खां संगीत प्रचार मंडल, बम्बई	2,000	अब्दुल करीम खां के घराने के संगीत में प्रशिक्षण के लिए
नाट्यसंघ, बम्बई	5,000	नाट्यशास्त्र में प्रशिक्षण के लिए
थियेटर यूनिट, बम्बई	5,000	नये नाटकों के प्रस्तुतीकरण के लिए

उड़ीसा

कला विकास केन्द्र	5,000	ओडिसी नृत्य में प्रशिक्षण के लिए
मयूरभंज चन्द्र नृत्य प्रतिष्ठान	10,000	छाऊ नृत्य में प्रशिक्षण के लिए
उड़ीसा संगीत परिषद्, पुरी	1,000	पखावज वादन में प्रशिक्षणं के लिए

राजस्थान

भारतीय लोक कला मंडल, उदयपुर	5,000	कठपुतली-नाट्य के लिए साज-सामान के वास्ते
मीरा कला मंदिर, उदयपुर	1,000	वाद्य-संगीत के यन्त्रों की खरीद के लिए
रूपायण संस्थान	5,000	राजस्थानी-रासों के प्रस्तुतीकरण तथा उनके बारे में अनुसंधान के लिए

उत्तरप्रदेश

दर्पण, कानपुर	1,600	साज-सामान की खरीद के लिए
श्री हरिसंकीर्तन सभा	2,000	लोक-गीतों के प्रचार के लिए

पश्चिम बंगाल

बहुरूपी	20,000	अभिनेताओं के वेतन तथा नये नाटकों की प्रस्तुतीकरण के लिए
कलकत्ता स्कूल ऑफ म्यूजिक	8,000	पाश्चात्य-संगीत शिक्षा के लिए
चिल्ड्रेन्स लिट्ल थियेटर, कलकत्ता	4,000	कठपुतली के विकास के लिए
केरलिय नृत्य कला केन्द्रम्, कलकत्ता	3,000	कत्थकली में प्रशिक्षण के लिए
लिट्ल थियेटर ग्रुप	15,000	रंगमंच प्रशिक्षण-संस्थान "शिशिर शिक्षायतन"
रूपकार	5,000	रंगमंच के लिए साज-सामाज के वास्ते।
थियेटर सेन्टर	5,000	नाट्य शास्त्र में प्रशिक्षण के लिए

———

परिशिष्ट 4

संगीत नाटक अकादेमी के प्रकाशन

(बिक्री के लिए)

अंग्रेजी में

"संगीत नाटक"—संगीत नाटक अकादेमी की द्विवार्षिक पत्रिका, मूल्य प्रत्येक अंक 3)—पूरे साल के लिए– 6)

फिल्म सेमिनार रिपोर्ट—1955—सम्पादक—आर० एम० रे, पृष्ठ सं० 271+ एल० 3 मूल्य 10)

एन्थोलोजी आफ वन हन्ड्रेड सांग्स आफ रवीन्द्र नाथ टैगोर इन स्टाफ नोटेशन्स भाग 1–(पचास गीतों का संग्रह) पृष्ठ संख्या 200, विदेशी संस्करण $ 5.50; £ 2, भारतीय संस्करण, मूल्य 25)

एन्थोलोजी आफ वन हन्ड्रेड सांग्स आफ रवीन्द्र नाथ टैगोर इन स्टाफ नोटेशन्न भाग 2 (पचास गीतों का संग्रह) पृष्ठ संख्या 193

विदेशी संस्करण—मूल्य $ 6.00; £ 2.50
भारतीय संस्करण—मूल्य 45)

संगीत नाटक अकादेमी बुलेटिन

"टैगोर सेन्टनरी अंक—संपादक पुलिन बिहारी सेन तथा क्षितिज राय
पृष्ठ संख्या 118, साधारण जिल्द मूल्य 10);
विशेष जिल्द मूल्य–12.50

कुट्टियट्टम—ले० डा० कुंजुन्नी राजा—एक परिचय—पृष्ठ संख्या 38 मूल्य 2)

केटलग आफ टेप रेकार्डिग—पृष्ठ संख्या—24, मूल्य 2.50 रु०

मार्ग कथकली अंक पृष्ठ संख्या 54 मूल्य—5-50 रु०

,, कत्थक अंक, पृष्ठ संख्या 66, मूल्य 5.50

संगीत नाटक अकादेमी बुलेटिन, अंक 5 से 18 (11 अंक मात्र) पृष्ठ संख्या लगभग 70, मूल्य प्रत्येक अंक 1)

किताबी—नौरस, इब्राहिम इदिलशाह द्वितीय—हिन्दी और उर्दू के गीतों के साथ, पृष्ठ सं० 16+160 मूल्य 15)

स्प्रीचुअल हेरीटेज़ आफ त्यागराज—ले० डा० वी० राघवन एवं श्री सी० राज-गोपालचारी, पृष्ठ सं० 631, मूल्य 10)

संस्कृत

राग तत्व विबोध, श्रीनिवास (गायकवाड का ओरियन्टल सीरीज़ सं० सी० 36 पृ० सं० 62, मूल्य 4)

संगीत चूडामणि—ले० कविचक्रवर्ती जगदेकमल्ल (गायकवाड का ओरियन्टल सीरीज, सं० सी० 28), पृ० सं० 114, मूल्य : 6.50

वीणा लक्षण—ले० परमेश्वर (गायकवाड का ओरियन्टल सीरीज सं० सी० 31) पृ० सं० 64, मूल्य 3.50

नृत्याध्याय (भारतीय नृत्य संबंधी शोध-ग्रन्थ) ले० अशोकमल। (गायकवाड का ओरिन्टल सीरीज, सं० 141, पृ० सं० 173, मूल्य 10)

रसकौमुदी (भारतीय संगीत संबंधी शोध ग्रन्थ) ले० श्रीकांत (गायकवाड का ओरियन्टल सीरीज, सं० 143, पृ० सं० 190, मूल्य 13)

हिन्दी

भातखंडे संगीत शास्त्र भाग 3—ले० विष्णु नारायण भातखंडे—सम्पादक लक्ष्मी-नारायण गर्ग, पृ० संख्या 340, मूल्य 6)

भातखंडे संगीतशास्त्र भाग 4—ले० विष्णु नारायण भातखंडे, सं० लक्ष्मी नारायण गर्ग, पृ० सं० 380 मूल्य 15)

संगीत सुधा सागर भाग 1—ले० श्री प्राणकृष्ण चटोपाध्याय, पृ० सं० 63 मूल्य 2)

दिल्ली 1857—ले० श्री महेश्वर दयाल, पृ० सं० 122, मूल्य 2.50 रु०

संगीतज्ञों के संस्मरण—ले० स्वर्गीय उस्ताद विलायत हुसैन खां, पृ० सं० 264 मूल्य 3)

एन्थोलोजी ऑफ हन्ड्रेड सांग्स ऑफ रवीन्द्र नाथ टैगोर इन अकादेमी नोटेशन्स भाग 1 (50 गीतों का संग्रह) पृ० सं० 25+212, मूल्य 20)

मानोग्राफ आन ओंकारनाथ ठाकुर—ले० विनय चन्द्र मोदगल्य, पृ० सं० 24, मूल्य 2.50 रु०

तमिल

दीक्षित कीर्तन माला—ले० वैणिक विद्वान ए० सुन्दरम अय्यर, भाग 1 से 13 (4 को छोड़कर) प्रत्येक भाग मूल्य 2), भाग 4 का मूल्य 1.50 रु० और पूरक अंक मूल्य 2.50 रु०

वाग्गेयाकर्क चरित्रम्—ले० वाणिक विद्वान् ए० सुन्दरम् अय्यर, पृ० सं० 120 मूल्य 2)

तेलगु

संगीत कला प्रदर्शनी—ले० श्री ए० सत्यनारायण मूर्ति, पृ० सं० 240, मूल्य 6)
देविगण सुधा—ले० श्री० ओगिरला वीर्राधव शर्मा, भाग 1, पृ० सं० 84, मूल्य 3) भाग 2, पृ० सं० 76, मूल्य 3)
वासुदेव कीर्तन मंजरी भाग 2—ले० श्री के० वासुदेवाचार्य, पृ० सं० 15+232 मूल्य 6)

उर्दू

दिल्ली 1857—ले० महेश्वर दयाल, पृ० सं० 160, मूल्य 3)

कन्नड

राष्ट्रीय गीत—अंग्रेजी अनुवादों तथा स्वरलिपि के साथ मूल्य 1)

बंगला

राष्ट्रीय गीत—अंग्रेजी अनुवादों तथा स्वरलिपि के साथ मूल्य 2.50 रु०

———

परिशिष्ट 4 (क)

संगीत, नृत्य एवं नाटक की अनुपलब्ध पुस्तकों की सूची

नाट्य शिक्षा (नारद कृत) समवेद (शिक्षा विवरण के साथ टीकाकार श्री मट्टशुभाकर)

दत्तिलम (दत्तिलम आचार्यकृत) त्रिवेंद्रम संस्कृत सीरीज—1930

संगीत मकरंद (नारद कृत) बड़ोदा-1920

मानसउल्लास या अभिलक्षितार्थ चिंतामणि (सोमेश्वर देव कृत 1131 ई० (चेप्टर आन म्यूजिक)

अनुप संगीत-विलास (भव भट्ट कृत, 17वीं शताब्दी, बम्बई 1921)

राग तरंगिनी (लोचन कवि कृत—116 या 1170 ई) बम्बई, दरभंगा

राग चन्द्रिका (अप्पा तुलसी कृत) बम्बई 1911

राग कल्पद्रुम (कृष्णानंद व्यास कृत) बंगला और हिन्दी में, कलकत्ता 1842

राग कल्पद्रुम अंकुर (अप्पा तुलसी कृत) बम्बई---1914

राग माला (पुंडरिक विट्टल कृत, 16वीं शताब्दी) बम्बई, सी० 1916

राग तत्वविवोध (श्री निवास कृत, 17 वीं शतावदी) उत्तरार्ध, बम्बई सी 1916

राग मंजरी (पुंडरिक विट्टल कृत, 16वीं शताब्दी) बम्बई, सी 1916

संगीत दर्पण (दमोदर मिश्र कृत, 1925 ई०) कलकत्ता, 1880

नगमत-ए-असफी-(मोहम्मद रेजा 1813) पर्शियन, बनारस

राग माला (सैयद "अब्द-अल-वाली" उक्सत) 1759 (हिन्दुस्तान)

संगीत-सार (जयपुर के महाराज सवाई प्रताप सिंह देव द्वारा संकलित) 1779-1804

(क) ए शार्ट हिस्टोरिकल सर्वे आफ दी म्युजिक आफ अपर इण्डियन (बम्बई 1917 ई०, दू० सं० 1934

(ख) ए कम्पेरिटिव स्टडी आफ सम आफ द लीडिंग म्युजिक सिस्टम्स आफ द फिफटीन्थ, सिक्सटिन्थ, सेवेंटिन्थ एन्ड सेन्चुरीज (लखनऊ-1931-1931, इन संगीत बम्बई-1940) ले०- पं० वी० एन० भातखंडे

थ्योरी आफ म्युजिक अँज एक्सपाउन्डेड वाई सोमनाथ (पूना 1916) ले० के०

बी० देवक द रागाज़ आफ कनार्टक म्युजिक (युनिवर्सिटी आफ द्रासम 1938) ले० एन० एस० रामचन्द्रन्

(क) द स्वर मेल कला निधि आफ रामामात्य (भूमिका और अनुवाद के साथ, अन्नामलाई युनिवर्सिटी-1932)

(ख) द राग बिबोध आफ़ सोमनाथ (भूमिका और अनुवाद के साथ, मद्रास 1933) ले० एम० एस रामास्वामी अय्यर

गीता सूत्र-सार—कृष्णधन बनर्जी

सिल्पादिक्रम —अंग्रेजी—अनुवादक—दिक्षितार

संगीत दमोदरा आफ शुभाकर

श्रीमल्लक्षीयसंगीतम्—विष्णु शर्मा के प्राचीन ग्रन्थ से संकलित (पंडित भातखडे) बम्बई, 1914

ओरियन्टल म्युजिक इन युरोपियन नोटेशन—ले० ए० एम० चिन्नास्वामी मुदालियर

संगीत सुधा—रघुनाथकृत

"बलराम भरत"—ले० एच० एच० बलराम (वर्मा 1756—1798) सम्पादक—के० सम्बशिव शास्त्री, त्रिवेन्द्रम सीरीज

"हस्तलक्षरा दीपिका" मद्रास ओरियन्टल माइनस्क्रिप्टस लाइब्रेरी

"तांडव लक्षराम्"—अनुवाद—बी० वी० एन० नायडू, जी० एस० प्रेस—मदास, 1936

इन्ट्रोडक्शन टू द स्टडी आफ इन्डियन म्युजिक, ले० कलेमेंट्स ई० (लंदन 1913)

संगीतपारिजात आफ अहोबल—आलोचनात्मक संस्करण अनउपलब्ध—जा संस्करण उपलब्बध हैं वे अधूरे हैं। अब तक जो मात्र एक पूरा संस्करण प्राप्त हो सका है वह कलकत्ता से प्रकाशित हुआ।

संगीत समयसार आफ पार्श्वदेव, त्रिवेन्द्रम संस्कृत सीरीज़

हृदय कौतुक एण्ड हृदयप्रकाश, ले० हृदयनारायण देव। विश्वास किया जाता है कि दोनों ही पाठों के रचयिता स्वर्गीय पं० वी० एन० भातखडे हैं।

अनुप संगीत रत्नाकर एण्ड संगीताकुंश आफ भाव भट्ट। दोनों ही पाठों को पं० पी० एन० भातखडे ने प्रकाशित करवाया।

बृहद देसी आफ मातंग-त्रिवेन्द्रम संस्कृत सीरीज 1928

सद-राग चन्द्रोदय ग्राफ पुंडरीक विट्ठल—पंडरीक विट्ठलके दो पाठों के साथ इसका भी प्रकाशन हुग्रा । पर यह भी ग्रनउपलब्ध है । पर इसके बारे में ग्रभी कोई निश्चय नहीं हो पाया है कि यह पहले कभी छपा भी या नहीं।

यंत्र क्षेत्र दीपिका—एस० एम० टैगोर कलकत्ता 1878 (ग्रगर इसकी बंगला स्वर-लिपि को देवनागरी लिपि में उतारा जा सके तो यह उत्तम रहेगा)

वीत वाद्य सार संग्रह : ले० चारुचरण मुखोपाध्याय, कलकत्ता 1988 (बंगला लिाप) इसे भी देवनागरी में उतारा जा सकता हे ।

संगीत मंजरी : ले० रामप्रसन्न बनर्जी, कलकत्ता 1935 । इसका भी बंगला लिपि से देवनागरी लिपि बनाया जा सकता है ।

संगीतसार : ले० क्षेत्रमोहन गोस्वामी कलकत्ता, 1879 (डा० प्रेमलता शर्मा)

संगीतसम्प्रदाय प्रदर्शनी ग्राफ शुभराम दीक्षितार, तेलगु

गरा भाष्करम् : ले० के० वी० श्रीनिवास ग्रायंगर, तेलगु

पल्लवी स्वर कल्पावली : ले० तिरुवयूर थ्याग राजा, तेलगु

जयदेव ग्रष्टपदी : ले० सी० ग्रार० श्रीनिवास ग्रायंगर, तमिल (इसका तमिल ग्रौर हिन्दी में दुबारा संस्करण निकाला जा सकता है)

त्यागराज हृदयम्—श्री वोलूम्स—कृतिज ग्राफ़ त्यागराज विथ नोटेशन्स, ले० के० वी० श्रीनिवास ग्रायंगर

मन कौतुहल : ले०—राजा मान सिंह (ग्वालियर)

इयावराते मौसिकी—19वीं शताब्दी में उर्दू में लिखी तथा उर्दू में ही प्रकाशित

कलेक्शन ग्राफ़ ध्रुपद इन नोटेशन-ले० नवाब चमन साहेब

कलेक्शन ग्राफ़ ध्रुपद इन बंगाली नोटेशन : मैहर के महाराजा के पास सुरक्षित

भरतकोष : रामकृष्ण कवि द्वारा संकलित

यंत्र कोष-ले० राजा एस० एम० टैगोर, बंगला

"संगीत पारिजात" : कुछ साल पहले संगीत प्रेस हाथरस द्वारा प्रकाशित—पर ग्रन्थ ग्रधूरा है क्योंकि इसमें वाद्ययंत्र का ग्रध्याय छोड़ दिया गया है ।

संगीत प्रदायिनी : ले० के० वी० श्रीनिवास ग्रायंगर, के० वरदचार एवं के० कृष्णमाचार (एम० एडी एण्ड कं०, मद्रास)

गरा भाष्कर : ले० के० वी० श्रीनिवास ग्रायंगर (एम० एद्री एण्ड कं०, मद्रास 1618)

प्रथम अभ्यासे पुस्तकम् : ले० शुभराम दीक्षतार-सुविख्यात पुस्तक संगीत सम्प्रदाय प्रदर्शिनी के रचयिता-विद्याविलासिनी प्रेस-इत्यपुरम्—1905)

स्वर्णव : संस्कृत का एक दुर्लभ ग्रन्थ

पल्लवी स्वर कल्पावली-वीरणा कुप्पाअय्यर की कृतियों का संकलन "संकीर्तन रत्नावली"।

परिशिष्ट 5

संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली

1967-68 वर्ष की आय और व्यय-लेखे का विवरण

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
रोकड़ जमा	175022.93	कार्यालय का व्यय :			
सरकार से प्राप्त अनुदान	1580000.00	कर्मचारियों का वेतन	156000	158000	152345.43
प्रकाशनों की बिक्री	4421.80	भत्ते और मानदेय	83000	96660	94050.97
मिश्रित आय	711.92	केन्द्रीय भविष्य निधि में देय अंश	15000	22000	28432.00
सवारी के लिए पेशगी पर ब्याज	442.95	किराया, उपशुल्क और कर	83000	85000	13521.79
विज्ञापनों की बिक्री	400.00	अन्य खर्चे	25000	35000	33720.37
स्टूडियो के किराये की फीस	1727.15	कुल कार्यालय खर्च	362000	396600	322070.56
गृह निर्माण पेशगी	400.00	फर्नीचर और उपकरण	5000	5000	5634.52
		संग्रहालय और रेकार्ड	4000	4000	4369.49
		अनुसंधान और प्रकाशन	15000	30000	16192.24

आय	वास्तिविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		फिल्म और रेकार्ड निर्माण	15000	15000	16448.22
		पारिभाषिक शब्दावलि और मूल पाठों का संकलन	3000	3000	—
		पुस्तकालय	5000	5000	4580.55
विभिन्न संस्थाओं द्वारा अनुदान की वापसी	12244.70	विभिन्न संस्थाओं को अनुदान	400000	400000	400000.00
		प्रकाशन अनुदान	10000	10000	11954.80
		राष्ट्रीय, प्रादेशिक और विशेष उत्सवों पर व्यय	—	—	—
		विचार गोष्ठियों और प्रदर्शनियों पर व्यय	20000	20000	3302.64
		महापरिषद के सदस्यों और अन्य व्यक्तियों को सफर खर्च	15000	20000	20568.48
		पुरस्कार	40000	40000	54593.68
		अकादेमी के समारोह और स्वागत	20000	20000	19483.24
		सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम	—	—	—

ग्राय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय ग्रौर एशियाई रंगमच संस्थान नई दिल्ली को ग्रनुदान	377000	377000	377000.00
		जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य ग्रकादेमी, इम्फाल को ग्रनुदान	68000	68000	47500.00
		कत्थक केन्द्र, नई दिल्ली को ग्रनुदान	182000	182000	182000.00
		त्यागराज द्विशतवार्षिकी समारोह	40000	40000	37220.53
		रवीन्द्र समारोह	10000	10000	9727.16
		लेखा-परीक्षा फीस	2500	2500	1120.00
सवारी खरीदने के लिए पेशगी रुपए की वसूली	11,573.28	सवारी खरीदने के लिए पेशगी	3000	3000	998.00
		कानूनी खर्च	500	500	—
त्यौहार पेशगी की वसूली	1,798.00	त्यौहार पेशगी	—	1500	1484.00
ग्रायकर खाता	9,673.00	ग्रायकर खाता	—	—	9673.00
उचन्त खाता (सामान्य)	9,803.89	उचन्त खाता	—	—	150019.10

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
उचन्त (केन्द्रीय भविष्य निधि) खाता	20826.00	उचन्त खाता (केन्द्रीय भविष्य निधि)	—	—	20776.00
महालेखा परीक्षक केन्द्रीय राजस्व को देय सामान्य भविष्य निधि	2431.00	महालेखा परीक्षक केन्द्रीय राजस्व को देय सामान्य भविष्य निधि	—	—	3356.00
अवितरित वेतन	11886.47	अवितरित वेतन	—	—	11886.47
पेशगी खाता	16680.22	पेशगी खाता	—	—	18766.02
रूसी नृत्य मण्डली	12294.83	रूसी नृत्य मण्डली खाता	—	—	12544.83
		योजना व्यय	—	—	40000.00
विविध आय और जमा					
(क) राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच संस्था, नई दिल्ली	119693.55	राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच संस्थान, नई दिल्ली	—	—	109053.76
(ख) जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल	24304.01	जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल	—	—	11477.62

ग्राय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		रोकड़ जमा :			
		संगीत नाटक ग्रकादेमी, नई दिल्ली			
		हाथ में रुपया 1138.28			
		बैंक में जमा रुपया 69,024.37			70162.61
		राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय ग्रौर एशियाई रंगमंच संस्थान, नई दिल्ली			
		हाथ में रुपया 418.47			
		स्टेट बैंक ग्रॉफ इंडिया में चालू खाता एक 4711.57			
		स्टेट बैंक ग्रॉफ इंडिया में चालू खाता दो 5420.86			
		डाक टिकटें ग्रौर अंकन 88.89			10639.79

श्राय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य श्रकादेमी, इम्फाल			
		हाथ में रुपया 9.10			
		वैंक में जमा रुपया 12817.29			12826.39
कुल योग	2016335.70		1597000.00	1653100.00	2016335.70

नोट : राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय श्रौर एशियाई रंगमंच संस्था नई दिल्ली तथा जवाहरलाल नेहरू मणिपुर नृत्य श्रकादेमी इम्फाल की श्राय श्रौर व्यय के लेखे श्रलग तैयार किये गये हैं श्रौर इन्हें परिशिष्ट संख्या 6 श्रौर 7 में देखा जा सकता है ।

हस्ताक्षर रामप्रकाश
वित्त श्रौर लेखा श्रधिकारी

हस्ताक्षर सुरेश श्रवस्थी
सचिव

परिशिष्ट 5 क

संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली

1967-68 वर्ष (योजना) की आय और व्यय लेखे का विवरण

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित	वास्तविक
रोकड़ जमा		1. लोक संगीत, नृत्य और नाटक का सर्वेक्षण	3,00,000	50,000	3,960.00
सरकार से प्राप्त अनुदान	40,000.00				
		2. संगीतशास्त्र, अनुसंधान दल	—	—	—
		3. अकादमी संग्रहालय का विस्तार	1,50,000	50,000	9,000.75
		4. संगीत और नृत्य शिक्षकों के विशेष प्रशिक्षण के लिए शिक्षावृत्ति	58,000	20,000	—
		रोकड़ जमा			
		बैंक में रुपया			27,039.25
कुल योग	40,000.00		5,08,000.00	1,20,000.00	40,000.00

हस्ताक्षर
राम प्रकाश
वित्त और लेखा अधिकारी

हस्ताक्षर
सुरेश अवस्थी
सचिव

परिशिष्ट 6

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय और एशियाई रंगमंच संस्था, नई दिल्ली

1967-68 वर्ष की आय और व्यय लेखे का विवरण

आय	वास्तविक		व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
रोकड़ जमा			(1) **कार्यालय का व्यय**			
हाथ में रुपया	450.21		(क) कर्मचारियों का वेतन	126800.00	118100.00	117973.72
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में चालू खाता एक	25910.47		(ख) भत्ते और मानदेय	66800.00	66300.00	65262.49
स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में चालू खाता दो	3657.93		(ग) भविष्य निधि में देय अंश	10200.00	9800.00	9835.00
डाक टिकटें और अंकन मशीन खाता	278.42	30297.03	(घ) किराया उपशुल्क और कर	32500.00	33500.00	32576.44
			(ङ) विज्ञापन, लेखन सामग्री और मुद्रण व्यय	6500.00	15200.00	14566.64
संगीत नाटक अकादेमी, नई दिल्ली		377000.00	(च) केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा योजना	300.00	3400.00	3314.00
विद्यार्थियों से फीस		11680·00	(छ) मिश्रित व्यय	12250.00	15600.00	15387.01
			कुल कार्यालय व्यय	258050.00	262000.00	258912.30

आय		वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तपिक
मिश्रित आय		9457.91				
पेशगी			(2) **प्रशिक्षण व्यय**			
त्यौहार पेशगी	919.00		(क) छात्रवृत्तियां	66000.00	50700.00	50365.72
भविष्य निधि पेशगी	8730.00		(ख) रैपरटरी कम्पनी (परिवर्धन छात्रवृत्ति)	24200.00	18000.00	17989.58
भविष्य निधि पेशगी पर ब्याज	534.00		(ग) परीक्षकों की फीस	3500.00	4400.00	3479.65
संगीत नाटक अकादेमी भविष्य निधि पेशगी	7400.00		(घ) वर्कशाप की सामग्री	4500.00	6800.00	3281.66
संगीत नाटक अकादमी सवारी पेशगी	200.00		(ङ) पुरस्कार और डिप्लोमा इनाम			
सवारी पेशगी	2912.00			1000.00	1000.00	826.91
सवारी पेशगी पर ब्याज	15.88	20710.88	(च) नाट्य रचना (प्रशिक्षण)	25000.00	32000.00	30204.02
			(छ) प्रसाधन सामग्री	500.00	500.00	488.85
जमानत जमा			(ज) विशिष्ट भाषण	2500.00	1500.00	1164.40
(दिल्ली नगर निगम और नई दिल्ली नगर पालिका)		315.55	(झ) नाटकों का अनुवाद और रायल्टी	1000.00	1000.00	815.00
विद्यार्थियों की जमा जमानत		1120.00				
			कुल प्रशिक्षण व्यय	128200.00	115900.00	111615.79

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
भविष्य निधि	33521.09	(3) **पुस्तकालय**	6500.00	10000.00	9997.36
संगीत नाटक अकादेमी		(4) **प्रकाशन**			
भविष्य निधि	2887.00	(थियेटर इम्पैक्ट पत्रिका)	1000.00	1000.00	945.58
भविष्य निधि उचन्त	89.12	(5) **फर्नीचर और उपकरण**			
उचन्त आम					
विद्यार्थियों से पेशगी	3746.07	(क) कार्यालय का फर्नीचर और उपकरण	1000.00	6000.00	5769.54
उचन्त	1344.83	(ख) रंगमंच सामग्री और सम्पत्ति	500.00	500.00	489.90
आयकर	8075.50	(ग) वेशभूषा	400.00	300.00	275.20
अवितरित छात्रवृत्तियां	6652.03	(घ) प्रसाधन सामग्री	100.00	100.00	—
अवितरित वेतन	5605.62	(च) ध्वनि और संगीत	1000.00	2600.00	2409.40
दिल्ली दरवाजा नाटक	227.13	(छ) प्रकाश	2000.00	3000.00	2609.44
		(ज) वर्कशाप	500.00	—	—
अखिल भारतीय भाषा					
स्वागत समारोह समिति नाटक	389.27	(झ) फोटोग्राफी	1000.00	1000.00	357.20
दूरदर्शन के नाटक	500.00	(ड) प्रेक्षागृह	1000.00	1000.00	994.42
पेशगी	17418.60	(ट) पुस्तकालय	300.00	300.00	94.50
भारत सरकार की छात्र-वृत्तिया	10330.33	(ठ) मिश्रित	200.00	170.00	142.56
		फर्नीचर और उपकरण पर कुल व्यय	8000.00	14970.00	13142.26

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
जम्मू और काश्मीर अकादेमीं छात्रवृत्तियां	4955.65	(6) **समिति के सदस्यों का सफर खर्च आदि**	4000.00	5000.00	2433.78
जयपुर में प्रदर्शन	624.79				
एल० टीं० सीं० पेशगी	523.00	(7) **लेखा परीक्षा फीस**	1250.00	1250.00	1175.00
सफर खर्च, भत्ते और दैनिक भत्ते के लिए पेशगीं	1600.00	(8) **त्यौहार पेशगी**	1000.00	1000.00	225.00
मैसूर राज्य संगीत नाटक अकादेमीं छात्रवृत्तिया	288.71				
जम्मू और काश्मीर अकादेमीं नाट्य प्रदर्शन उचन्त	3322.50				
	552992.64	पहली से आठवीं मद तक कुल व्यय	408000.00	411320.00	398417.07
		पेशगी			
		संगीत नाटक अकादमी सवारी	2927.88		
		सवारी पेशगी	200.00		
		भविष्य निधि	7400.00		
					10527.88
		संगीत नाटक अकादमी भविष्य निधि			42714.21
		वर्ष में वापस की गई राशि			3057.00

ग्राय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		विद्यार्थियों की जमा जमानत			420.00
		जमानत जमा (दिल्ली नगर निगम ग्रौर नई दिल्ली नगरपालिका)			3402.00
		ग्राम उचन्त			
		विद्यार्थी पेशगी			2988.29
		उचन्त			1578.55
		ग्रायकर			8075.50
		ग्रवितरित छात्रवृत्तियां			6652.08
		ग्रवितरित वेतन			5880.62
		दिल्ली दरवाजा नाटक			50.07
		ग्रखिल भारतीय भाषा स्वागत समारोह समिति नाटक			389.27
		दूरदर्शन नाटक			500.00
		पेशगी			17418.60
		भारत सरकार की छात्रवृत्तियां			9830.33
		ग्रदालत में वापसी			300.00
		शिक्षा मंत्रालय प्रदर्शनी उचन्त			19947.95
	552992.64				532149.42

आय	वास्तविक	व्यय	मूल बजट	संशोधित बजट	वास्तविक
		जम्मू और कश्मीर अकादेमी छात्रवृत्तियां			4392.72
		एल० टी० सी० पेशगी			523.00
		मैसूर राज्य संगीत नाटक अकादेमी			1600.00
		जम्मू और काश्मीर अकादेमी नाट्य प्रदर्शन उचन्त			288.71
		स्वतंत्र भारत मिल्स, नाट्य प्रदर्शन उचन्त			3322.50
		हाथ में शेष			76.50
		हाथ में रुपया	418.47		
		स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में चालू खाता एक	4711.57		
		स्टेट बैंक आफ इंडिया में चालू खाता दो	5420.86		
		डाक टिकट और अंकन	88.89		10639.79
कुल योग	552,992.64			कुल योग	552,992·64

हस्ताक्षर सी० एल० दास गुप्ता
लेखा और प्रशासन अधिकारी

हस्ताक्षर ई० अल्काजी
डाइरेक्टर

परिशिष्ट 7

जवाहर लाल नेहरू मणिपुर नृत्य अकादेमी, इम्फाल

1967-68 वर्ष के आय-व्यय लेखे का विवरण

आय	वास्तविक	व्यय	संशोधित अनुपात	वास्तविक
बैंक में जमा रोकड़	17791.01	**कार्यालय व्यय**		
संगींत नाटक अकादेमी से अनुदान	47,500.00			
मणिपुर सरकार से अनुदान	5,300.00	वेतन और भत्ते	45,000.00	41,853.00
प्रवेश और अन्य फीस	1,213.00	भविष्य निधि में देय अंश (वेतन और कार्यालय का अंश	2,500.00	9,756.00
		अन्य व्यय	5,000.00	4491.57
			52,500.00	56,100.57
		फर्नीचर और उपकरण	5,000.00	124.50
		पुस्तकालय की पुस्तकें	500.00	55.00
		बिजली, पानी, स्टेशनरी और डाक व्यय इत्यादि	3,500.00	26,75.55
		वेशभूषा और बाजे	2,700.00	22.00
		छात्रवृत्तियां	3,800.00	—
			68,000.00	58,977.62
		बैंक में जमा नगद		12,817.29
		हाथ में रुपया		9.10
कुल योग	71,804.01			71,804.01